● जयपुर, रविवार 29 दिसंबर 24 ● वर्ष 14 ● अंक 131 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपये

www.chamaktarajasthan.in| Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्याः RJ/JPC/D19/2024-25

RNI. No. RAJHIND/2011/40950

दैनिक राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त

सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

चमकता राजस्थान

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित

विज्ञापन के लिए : 93145 05000

अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

सुविचार

''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''

● स्वामी विवेकानंद

पेज @3 आजादी के बाद 67 साल में 7 नए जिले, गहलोत ने चुनावी साल के...

पेज @4 कांग्रेस पार्टी सड़क से लेकर सदन तक जिलों एवं संभागों को निरस्त...

पेज @8 चंदवाजी में पलटा केमिकल से भरा टैंकर, जिला प्रशासन की सतर्कता से...

संक्षिप्त खबरें

आईएएस संजीव हंस के करीबी के ठिकानों पर ईडी की छापेमारी

पटना। भारतीय प्रशासनिक सेवा (भाप्रसे) के अधिकारी संजीव हंस के करीबी इंजीनियर के ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने आज छापेमारी की। ईडी ने पटना और गया में तीन जगहों पर पुल निर्माण विभाग के इंजीनियर सुनील कुमार के ठिकानों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई आईएएस संजीव हंस से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में की गई है। ईडी की टीम ने गया के तथागत होटल में तलाशी के ली है, जो सुनील कुमार या उनके किसी रिश्तेदार का बताया जा रहा है। पिछले दिनों ईडी ने आईएएस संजीव हंस के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में पटना के स्पेशल कोर्ट में दो हजार पेज की सप्लीमेंट्री चार्जशीट दायर की थी। इसमें हंस और पूर्व राजद विधायक गुलाब यादव समेत अन्य लोगों को भी आरोपित बनाया गया था। जांच एजेंसी ने हंस पर बिहार सरकार और केंद्रीय प्रतिनियुक्ति में विभिन्न पदों पर रहते हुए भ्रष्टाचार के जरिए अकूत संपत्ति बनाने का आरोप लगाया। हंस की पत्नी और उनके कई रिश्तेदारों के खिलाफ भी सबूत सामने आए हैं, जिसके चलते यह कार्रवाई की गई है।

मदर डेयरी के जोनल इंचार्ज रिश्वत लेते रंगे हाथों धराये

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने शनिवार को 45,000 रुपये की रिश्वत मांगने और स्वीकार करने के आरोप में मदर डेयरी (साउथ जोन), दिल्ली के आरोपित जोनल इंचार्ज (वरिष्ठ अधीक्षक, बिक्री) को गिरफ्तार कर लिया। सीबीआई ने मदर डेयरी, साउथ जोन, दिल्ली के आरोपित जोनल इंचार्ज के खिलाफ शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया। इसमें आरोप लगाया गया कि आरोपित ने शिकायतकर्ता से उसकी डिस्ट्रीब्यूशनशिप रद्द न करने के लिए 60,000 रुपये की रिश्वत मांगी। बातचीत के बाद आरोपित ने रिश्वत की राशि घटाकर 45,000 रुपये करने पर सहमति जताई। सीबीआई ने जाल बिछाया और आरोपित को शिकायतकर्ता से 45,000 रुपये की रिश्वत स्वीकार करते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया।

दिल्ली विसः एनसीपी ने की 11 उम्मीदवारों की सूची जारी

नई दिल्ली। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी-अजीत पवार गुट) ने शनिवार को दिल्ली विधानसभा चुनाव-2025 के लिए 11 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव बृजमोहन श्रीवास्तव ने यह जानकारी देते हुए कहा कि संसदीय बोर्ड की मंजूरी के बाद दिल्ली विधानसभा चुनावों के लिए 11 उम्मीदवारों की घोषणा की जा रही है। उन्होंने कहा कि पार्टी का मानना है कि चुनाव में हमारे उम्मीदवार सर्वोत्तम मूल्यों का प्रतिनिधित्व करेंगे और दिल्ली के विकास और समृद्धि के लिए प्रतिबद्ध रहेंगे। पार्टी ने बुराड़ी विधानसभा से रतन त्यागी, बादली से मुलायम सिंह, मंगोल पुरी से खेम चंद, चांदनी चौक से खालिद उर रहमान, बल्ली मारन से मोहम्मद हारुन, छतरपुर से नरेंद्र तंवर, संगम विहार से कमर अहमद, ओखला से इमरान सैफी, लक्ष्मी नगर से नमहा, सीमा पुरी से राजेश लोहिया और गोकल पुरी से जगदीश भगत को टिकट दिया है। गौरतलब है कि दिल्ली विधानसभा चुनाव अगले साल फरवरी में होने हैं। सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आआपा) ने सभी 70 सीटों के लिए उम्मीदवारों के नाम घोषित कर दिए हैं जबकि कांग्रेस ने अब तक 47 सीटों के लिए उम्मीदवारों के नाम घोषित किए हैं।

मनमोहन सिंह के अंतिम यात्रा में शामिल हुए भूटान के किंग और मॉरीशस के विदेश मंत्री, दी श्रद्धांजलि

पंचतत्व में विलीन हुए डॉ. मनमोहन सिंह

21 तोपों की दी गई सलामी, बेटी ने दी मुखाग्नि

एजेंसी

नयी दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का शनिवार को यहां निगमबोध घाट पर राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया और उनका पार्थिव शरीर पंचतत्व में विलीन हो गया। डॉ. सिंह के अंतिम संस्कार में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, भूटान नरेश जिग्मे खेसर नमगायेल वांगचुक, गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू, भाजपा अध्यक्ष तथा केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, तीनों सेनाओं के प्रमुखों के साथ ही कई केंद्रीय मंत्री, राजनयिक तथा अन्य गणमान्य लोग शामिल हुए।

इससे पहले उनके पार्थिव शरीर को कांग्रेस मुख्यालय में अंतिम दर्शन के लिए रखा गया जहां उनके परिवार के सदस्यों के साथ ही कांग्रेस में कई प्रमुख नेताओं ने उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। उसके बाद उनके पार्थिव शरीर को काफिले के साथ निगमबोध घाट लाया गया। उनकी अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में लोग उमड़े, लेकिन निगम बोध घाट पर सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त होने के करण जो लोग कांग्रेस मुख्यालय से शव यात्रा में करीब 11 किलोमीटर पैदल चलकर घाट पर पहुंचे उनमें सबको अंदर जाने नहीं दिया गया।

गौरतलब है कि डॉ. सिंह का 92 साल की उम्र में 26 दिसंबर रात करीब 9 बजे दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में निधन हो गया था। डॉ. सिंह के निधन के बाद उनका स्मारक बनाने को लेकर कांग्रेस तथा भाजपा के बीच जमकर सियासत हो रही है हालांकि सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि ट्रस्ट बनाकर डॉ. सिंह का समाधि स्थल बनाया जाएगा। डॉ. सिंह 2004 से 2014 तक दो बार देश के प्रधानमंत्री रहे।

कांग्रेस मुख्यालय में डां. सिंह के अंतिम दर्शन को उमड़ा जनसैलाब

कांग्रेस मुख्यालय से निगमबोध घाट तक निकली अंतिम यात्रा

कांग्रेस मुख्यालय 24 अकबर रोड, नई दिल्ली से निगमबोध घाट तक उनकी अंतिम यात्रा निकली। कांग्रेस मुख्यालय में पार्टी नेताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धांजलि दी। डॉ. मनमोहन सिंह का पार्थिव शरीर फूलों से सजे वाहन पर रखा गया। उसके साथ चल रहे लोगों ने कांग्रेस मुख्यालय से निकलने पर रास्ते में मनमोहन सिंह अमर रहें के नारे लगाए। इस दौरान जब तक सूरज चांद रहेगा, तब तक तेरा नाम रहेगा के नारे भी गूंजे। सिंह के पार्थिव शरीर को आज सुबह 9 बजे से कुछ पहले 3, मोतीलाल नेहरू रोड स्थित उनके आवास से एआईसीसी मुख्यालय लया गया। सिंह ने 2004 से 2014 के बीच 10 वर्ष तक प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने घोषणा की है कि पूर्व प्रधानमंत्री के सम्मान में पूरे देश में सात दिवसीय राष्ट्रीय शोक मनाया जा रहा है। इस दौरान पूरे देश में राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा।

डॉ. मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार के स्थान को लेकर राजनीतिक विवाद बढ़ा

एजेंसी

नयी दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के पार्थिव शरीर के अंतिम संस्कार के लिए एक अलग स्थान आवंटित नहीं किए जाने को लेकर भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के बीच राजनीतिक विवाद बढ़ गया है। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि भारत के पहले सिख प्रधानमंत्री का जानबूझकर अपमान किया जा रहा है। वहीं भाजपा ने कहा है कि डॉ. मनमोहन सिंह के सम्मान में एक स्मारक बनाया जाएगा और इसके लिए भूमि अधिग्रहण, ट्रस्ट के गठन और भूमि हस्तांतरण जैसी प्रक्रियाओं के पूरा होने में समय लगेगा। कांग्रेस ने नेता जयराम रमेश ने कल देर रात एक्स पर अपनी एक पोस्ट में लिखा कि कांग्रेस अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर प्रस्ताव दिया था कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार ऐसे स्थान पर किया जाए जहां उनकी विरासत का सम्मान करने के लिए एक स्मारक बनाया जा सके।

राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की बेटी शर्मिष्ठा ने कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे पर साधा निशाना

पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की बेटी शर्मिष्ठा मुखर्जी ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के लिए अलग स्मारक की मांग को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की आलोचना की है। शर्मिष्ठा ने आरोप लगाया कि जब अगस्त 2020 में उनके पिता और पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी का निधन हुआ था तब कांग्रेस नेतृत्व ने कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की शोकसभा आयोजित करना भी जरूरी नहीं समझा। उन्होंने कहा कि उस समय कांग्रेस नेतृत्व ने इस मुद्दे पर उन्हें गुमराह किया। उनके अनुसार, कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि यह प्रथा भारतीय राष्ट्रपतियों के लिए लागू नहीं होती। शर्मिष्ठा ने इस तर्क को बेतुका बताते हुए दावा किया कि उनके पिता की डायरियों से उन्हें पता चला कि जब पूर्व राष्ट्रपति के.आर. नारायणन का निधन हुआ था, तो सीडब्ल्यूसी की बैठक बुलाई गई थी और शोक संदेश खुद प्रणब मुखर्जी ने लिखा था।

डॉ. सिंह की याद में स्मारक और समाधि बनाई जाएगी

भाजपा के प्रवक्ता एवं सांसद डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली राजग की सरकार देश के आर्थिक विकास का एक प्रमुख आधार रहे नेता को समुचित सम्मान देने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। इसी को देखते हुए कल कैबिनेट की बैठक में फैसला लिया गया कि डॉ. मनमोहन सिंह की याद में एक स्मारक और समाधि बनाई जाएगी और ये बात कांग्रेस पार्टी को बता दी गई।डॉ. त्रिवेदी ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को बताया है कि सरकार ने एक स्मारक बनाने का फैसला किया है और भूमि अधिग्रहण, ट्रस्ट के गठन और भूमि हस्तांतरण जैसी प्रक्रियाओं के पूरा होने के बाद जो भी समय लगेगा, काम उचित तरीके से और जितनी जल्दी हो सके, किया जाएगा। भाजपा प्रवक्ता ने कहा, जिस कांग्रेस पार्टी ने अपने जीवनकाल में कभी डॉ. मनमोहन सिंह का सम्मान नहीं किया, आज उनके निधन के बाद भी वे राजनीति करते नजर आ रहे हैं। गृह मंत्रालय ने शुक्रवार देर रात जानकारी दी थी कि सरकार को कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष से पूर्व प्रधान मंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के स्मारक के लिए जगह आवंटित करने का अनुरोध मिला था। केंद्रीय मंत्रिमंडल की कैबिनेट बैठक के तुरंत बाद गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और दिवंगत डॉ. मनमोहन सिंह के परिवार को बताया कि सरकार स्मारक के लिए जगह आवंटित करेगी।

प्रधानमंत्री मोदी की दिल्ली परिवर्तन यात्रा का कार्यक्रम टला

मनमोहन सिंह के निधन पर राष्ट्रीय शोक के बीच फैसला

नई दिल्ली/एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 29 दिसंबर को दिल्ली के रोहिणी में होने वाली परिवर्तन यात्रा को पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के सम्मान में घोषित सात दिवसीय राष्ट्रीय शोक के मद्देनजर पुनर्निर्धारित किया गया है।

प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री और भारत के 14वें प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का गुरुवार रात नई दिल्ली स्थित एम्स में 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया। सिंह के निधन पर सात दिवसीय राष्ट्रीय शोक की घोषणा की गई है, जो 1 जनवरी 2025 तक रहेगी। इसी को ध्यान में रखते हुए कई सरकारी कार्यक्रमों को पुनर्निर्धारित किया गया है।

भाजपा की ओर से प्रधानमंत्री मोदी की रोहिणी रैली के साथ दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए

अपने अभियान की शुरुआत करने की योजना बनाई थी, जिसे अब 5 जनवरी 2025 के लिए पुनर्निर्धारित किया गया है।

भाजपा सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री द्वारा रैली के दौरान राष्ट्रीय राजधानी के लिए महत्वपूर्ण घोषणाएं किए जाने की उम्मीद है। इसके अतिरिक्त, 3 जनवरी को एक और बड़ी रैली निर्धारित है।

योजना के तहत, पीएम मोदी 29 दिसंबर को रिठाला में एक नई मेट्रो लाइन की आधारशिला रखने और रोहिणी के जापानी पार्क में एक सभा को संबोधित करने वाले थे। हालांकि, शिलान्यास समारोह की नई तारीखों की पुष्टि होना अभी बाकी है।

भारत के चुनाव आयोग ने अभी तक 70 सदस्यीय दिल्ली विधानसभा चुनावों की तारीखों की घोषणा नहीं की है, हालांकि अगले साल फरवरी में चुनाव होने की संभावना है, क्योंकि मौजूदा विधानसभा का कार्यकाल 23 फरवरी को खत्म हो रहा है।

आम आदमी पार्टी 2015 और 2020 में अपनी निर्णायक जीत के बाद लगातार तीसरी बार सत्ता में आने की कोशिश कर रही है। पार्टी ने 2015 में 67 और 2020 में 63 सीटें जीती थीं और दिल्ली विधानसभा में अपनी मजबूत पकड़ बनाए रखी थी।

बर्फबारी हिमाचल प्रदेश के पहाड़ी इलाकों में हो रही बर्फबारी अब बरपा रही कहर

बर्फीले तूफान में फंसे आठ लोग, 12 घंटे बाद रेस्क्यू

- बर्फबारी से जगह-जगह सड़कें बंद होने से यातायात बाधित
- कई जगह लोग फंसे, निकालने के लिए स्थानीय स्तर पर टीमें सक्रिय

एजेंसी

शिमला। हिमाचल प्रदेश के पहाड़ी इलाकों में हो रही बर्फबारी अब कहर बरपाने लगी है। बर्फबारी से जगह-जगह सड़कें बंद होने से यातायात बाधित हुआ है। वहीं कई जगह लोग फंसे हैं, जिन्हें निकालने के लिए स्थानीय स्तर पर टीमें सक्रिय हैं।

शिमला जिला के रोहड़ू उपमण्डल के पर्यटन स्थल चांशल घाटी में बर्फीले तूफान में फंसे आठ व्यक्तियों को लोक निर्माण विभाग मंडल डोडरा क्वार की टीम ने सुरक्षित रेस्क्यू कर लडोट पंहुचाया है। यह रेस्क्यू अभियान 27 दिसंबर यानि शुक्रवार को रातभर चलता रहा। ये सभी आठ व्यक्ति एक जिप्सी, स्कार्पियो और पिकअप में सवार थे और चांशल घाटी के बर्फीले तूफान में फंस गए थे।

इनमें जिप्सी व पिकअप डोडरा क्वार से रोहड़ू की ओर आ रही थी। वहीं स्कार्पियो में सवार होकर लोग रोहड़ू से चांशल घाटी घूमने गए थे।

लोक निर्माण विभाग मंडल डोडरा क्वार की टीम को जैसे ही उनके चांशल घाटी में फंसे होने की सूचना मिली। लोनिवि की टीम ने बिना देरी किए शुक्रवार शाम चार बजे के करीब दो जेसीबी मशीनों की सहायता से बर्फ हटाने का कार्य शुरू किया और चांशल घाटी पंहुची। लगातार 12 घंटों से अथक प्रयास के बाद शनिवार सुबह सात बजे सभी आठ व्यक्तियों को सकुशल लडोट पंहुचाया गया।

लोक निर्माण विभाग मंडल डोडरा क्वार के अधिशाषी अभियंता नरेंद्र नायक ने बताया कि यह रेस्क्यू अभियान रातभर लगातार 12 घंटे चला और सुबह 4 बजे खत्म हुआ। उन्होंने बताया कि सभी आठ व्यक्तियों को रेस्क्यू कर सुरक्षित पंहुचाया गया है। नायक ने बताया कि चांशल घाटी में लगभग 5 से 7 फीट बर्फ जमी हुई है।

दिल्ली में हुई 41.2 मिमी बारिश

यूपी, बिहार, महाराष्ट्र में अलग-अलग जगहों पर बिजली गिरने की संभावना

1901 से यह दूसरा सबसे अधिक बारिश वाला दिन

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में दिसंबर महीने में एक दिन में 41.2 मिमी बारिश हुई है। जो 1901 के बाद दूसरा सबसे अधिक बारिश का दिन है। मौसम विभाग के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली में शनिवार सुबह 8.30 बजे तक पिछले 24 घंटों में 41.2 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो एक रिकॉर्ड है। इससे पहले दिसंबर में एक दिन की सबसे अधिक बारिश 3 दिसंबर, 1923 को दर्ज की गई थी, जब 75.7 मिमी बारिश हुई थी। मौसम विभाग के मुताबिक 1901 में बारिश का रिकॉर्ड शुरू होने के बाद से मासिक वर्षा के मामले में दिसंबर 2024 को पांचवां सबसे अधिक बारिश वाला महीना बना दिया। मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक दिसंबर महीने में 1967 में 69.5 मिमी, 1997 में 71.8 मिमी, 1936 में 68.1 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई थी।

एक्यूआई में सुधार

बारिश के कारण वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) में भी सुधार हुआ है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, शनिवार शाम चार बजे 139 एक्यूआई दर्ज किया गया। जो कि मध्यम श्रेणी में आता है। एक्यूआई में सुधार के मद्देनजर वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने ग्रैप तीन की पाबंदियां हटा दी हैं।

उल्लेखनीय है कि 0 से 50 के बीच का अदक 'अच्छा', 51 से 100 के बीच 'संतोषजनक', 101 से 200 के बीच 'मध्यम', 201 से 300 के बीच 'खराब', 301 से 400 के बीच 'बहुत खराब' और 401 से 500 के बीच 'गंभीर' माना जाता है।

बुद्धिः ज्ञान का उपकरण

संसार प्रत्यक्ष है। संसार समझने के लिए प्रकृति-प्रदत्त पाँच इन्द्रियाँ हैं। आँख से देखते हैं, कानों से सुनते हैं। त्वचा से स्पर्श करते हैं। जीभ से स्वाद लेते हैं और नाक से सूंघते हैं। संक्षेप में रूप, रस, गंध, ध्वनि और स्वाद ही संसार समझने के उपकरण हैं। मन को इनका स्वामी बताया गया है। दृश्य पर मन न लगे तो देखना व्यर्थ हो जाता है। गीत-संगीत में मन न लगे तो सुनना बेकार। यही बात सभी इन्द्रियों पर लागू होती है। पढ़ता-सुनता आया हूँ कि इन्द्रियों से प्राप्त सूचना मस्तिष्क तक जाती है। मस्तिष्क निर्णय लेता है। मस्तिष्क में लाखों कोष हैं। इसमें अध्ययन-अनुभव के संग्रह हैं। प्रकृति सुंदर संरचना है। इसके रहस्य जटिल हैं। मनुष्य की आंतरिक संरचना और भी जटिल है। मैं विद्यार्थी की तरह सत्य जानने का प्रयास करता हूँ लेकिन निष्कर्षों के प्रति संशय बना रहता है।

जीवन की लंबाई व गहराई से अनुभव बढ़े हैं। लोभ घटे हैं। यश-लिप्सा बढ़ी है। राग बढ़ा है। द्वेष घटा है। क्या इसका कारण अनुभूतियाँ हैं? इसपर संशय है। मैं इस संशय का कारण जानना चाहता हूँ। प्रत्येक कार्य का कारण होता है। संशय का भी कारण होना चाहिए। संशय के कारण अनेक हैं लेकिन मुख्य कारण सत्य के अनुसंधान में संशय का सदुपयोग करना है। संभवतः बढ़ी उम्र के कारण जीवन-वीणा के सुर गहन हुए हैं। गीत-संगीत आकर्षित करते हैं। संसार के प्रति आसक्ति घटी है। सुखद स्मृतियाँ न सोने देती हैं, न जागने। मन ही मन अपनी ही वाह-वाह करते हैं। कुछ मित्र हमारे लेख की प्रशंसा करते हैं। हम आनंदित होते हैं। इस लिप्सा का कारण समझ में नहीं आता। लाखों बार छपने के बाद भी यह तृष्णा वैसी ही क्यों है? मैं संशयी हूँ। अपना मत प्रसारित करने की इच्छा सब लोगों में होती है। रेने डेकार्ट (1596-1650) प्रतिष्ठित बुद्धिवादी दार्शनिक थे। वे इन्द्रियों से प्राप्त अनुभव को वास्तविक ज्ञान नहीं मानते थे। उनके मतानुसार वास्तविक ज्ञान बुद्धि-प्रत्ययों (कंसेप्ट) से ही संभव है। मनुष्य की बुद्धि को कुछ सत्यों की जानकारी जन्म के साथ ही मिलती है। ऐसा कम या ज्यादा सभी मनुष्यों में होता है। जनचर्चा में इसे गॉड-गिफ्टेड कहा जाता है। डेकार्ट दर्शन में प्रभुत्व और परंपरा के विरोधी थे। उन्होंने दो धारणाओं की स्थापना की। पहली धारणा के अनुसार ''बुद्धि में यथार्थ-ज्ञान प्राप्त करने की अपूर्व क्षमता'' है। दूसरी धारणा के अनुसार ''मनुष्य की बुद्धि में यथार्थ-ज्ञान को अयथार्थ से पृथक करने की कसौटी'' भी है। उन्होंने बुद्धि की इन दोनों क्षमताओं को ''बुद्धि का स्वाभाविक प्रकाश'' कहा है। डेकार्ट के अनुसार बुद्धि के दो कार्य हैं। उन्होंने पहले को 'इन्ट्यूशन' कहा है। प्रयाग विश्वविद्यालय के दर्शन विभाग के अध्यक्ष डॉ. जगदीश श्रीवास्तव ने 'इनट्यूशन' को हिन्दी में प्रतिभान कहा है। यह शब्द उचित भी है।

भान आंतरिक अनुभव से प्राप्त ज्ञान है। उन्होंने प्रातिभान की परिभाषा भी की है, ''प्रतिभान से हमारा तात्पर्य इन्द्रियों के अस्थिर साक्ष्य से नहीं है और भ्रामक निर्णय से भी नहीं। प्रतिभान-धारणा विशुद्ध और सजग बुद्धि से प्राप्त होती है। तब संशय या अनिश्चितता नहीं रह जाती।'' उन्होंने बुद्धि का दूसरा कार्य निगमन बताया है। बुद्धि द्वारा किसी विषय पर खण्डशः विचार-निगमन होता है। यह शुद्ध बुद्धि से ही संभव है। बुद्धि विभिन्न कारणों से दोषपूर्ण भी हो सकती है। अंधविश्वास में बुद्धि शुद्ध नहीं रहती, तब बुद्धि निगमन का कार्य नहीं कर पाती। डेकार्ट के अनुसार बुद्धि को शुद्ध रखना, भ्रमों और पूर्वाग्रहों से मुक्त रखना निगमन के लिए आवश्यक है। इसके लिए उन्होंने 'सुव्यवस्थित' संशय की जरूरत बताई है कि ''हमें अपने सभी मतों पर तब तक संशय करना चाहिए जब तक हम उनकी प्रामाणिकता के प्रति आश्वस्त न हों।'' डेकार्ट का 'संशय' ज्ञान का साधन है। ब्रिटिश दार्शनिक फ्रांसिस बेकन ने भी चिंतन को पूर्वाग्रहों से मुक्त रखने का विचार दिया है। अब मेरे मन में अपने संशय को लेकर भी संशय है कि विद्यार्थी-जीवन में ही मेरे चित्त में संशय का जन्म क्यों हुआ था? पाश्चात्य दर्शन में बुद्धिवाद है। भारतीय चिंतन में बुद्धि की महत्ता है। यहाँ बुद्धि, साध्य नहीं है, ज्ञान-प्राप्ति का साधन है। गीता (2.39) में श्रीकृष्ण, अर्जुन से कहते हैं, ''मैंने सांख्य (दर्शन) के अनुसार ज्ञान का विवेचन किया है, अब बुद्धि-योग बताता हूँ। सुनो। ऐसे ज्ञान से तुम कर्म बंधन से मुक्त हो जाओगे।'' इस श्लोक में सांख्य का अर्थ ज्ञान-प्राप्ति की विश्लेषण पद्धति है। गीता का बुद्धियोग, डेकार्ट, स्पिनोजा आदि दार्शनिकों के बुद्धिवाद से उच्चतर है। गीता (10.10) में प्रसंग भक्ति का है। भक्ति में आस्था और विश्वास अपरिहार्य है। माना जाता है कि भक्ति की पूर्णता में आराध्य ईश्वर या भगवान की प्राप्ति संभव है। लेकिन गीता के इस श्लोक में प्रीतिपूर्वक सतत भक्ति करने वाले को बुद्धि-योग की प्राप्ति होती है। ''सतत युक्तानां भजतां प्रीतिपूर्वम।'' यह श्लोक काफी रोचक है। यहाँ भक्ति का परिणाम भगवान का दर्शन नहीं, बुद्धि-योग है और बुद्धि-योग की यात्रा में तर्क-संशय की उपयोगिता है।

प्रकृति को ध्यान से देखने का अपना आनंद है लेकिन देखने और दर्शन करने में आधारभूत अंतर है। देखने का सामान्य उपकरण आँखें हैं। हम आँख से देखने के साथ सुनना, सूँघना, स्पर्श और स्वाद भी जोड़ सकते हैं लेकिन दर्शन में ज्ञान-मीमांसा है, बुद्धि है। सोच-विचार की आगमन-निगमन-प्रणाली है। विवेचन है। तर्क-पद्धति है। अनुभवों से प्राप्त सत्य है और तथ्य भी है। विज्ञान द्वारा खोजे गए सूत्र व आविष्कार हैं। वैज्ञानिक सत्य प्रयोगसिद्ध भी हैं। दर्शन और विज्ञान, जिज्ञासा और तर्क को महत्व देते हैं। भारत में तीर्थ-यात्राएँ होती हैं। मंदिर और मूर्तियों के दर्शन की परंपरा है। हम मूर्ति और मंदिर देखते हैं लेकिन इस आस्तिक कर्म को दर्शन करना कहते हैं। मूर्ति को देखने और दर्शन करने में अंतर है। देखने में मूर्ति पत्थर या धातु है। लेकिन मूर्ति के भीतर देव का दर्शन करते हैं। भौतिक विज्ञान के पास ऐसी आस्तिकता का औचित्य नहीं है। दर्शन में भी इसका उत्तर नहीं है। यह भक्तिभाव का प्रभाव है और यह प्रभाव कमजोर नहीं होता। कमजोर होता तो प्रभावित कैसे करता? संशयी विद्यार्थी ऐसे प्रभावों का भी विवेचन करते हैं। बुद्धि, ज्ञान का उपकरण है। बुद्धि के प्रयोग में समग्र दृष्टि का ही उपयोग है। ज्ञान-प्राप्ति के लिए अखण्ड और कुशाग्र बुद्धि जरूरी है। कुशाग्र का अर्थ कुश का अग्र या नुकीला भाग होता है। खंडित बुद्धि संसार को खण्डित, विभाजित देखती है। अखण्ड बुद्धि से प्राप्त ज्ञान भी अखण्ड होता है। अखण्ड और कुशाग्र बुद्धि के लिए गीता (2.41) में 'व्यवसायात्मिका' और खण्डित बुद्धि के लिए 'अव्यावसायिक' शब्द प्रयोग हुआ है, ''व्यवसाय-आत्मिक बुद्धि है। संसार में अनेक रूप हैं लेकिन अस्तित्व एक अखण्ड है। कुछ लोग रूपों में विभाजित अस्तित्व को विभक्त देखते हैं और शुद्ध बुद्धि वाले विभाजित प्रतीत होने वाले अस्तित्व को अखण्ड अविभाजित देखते हैं। गीता में अविभाजित देखने वाले को सही बताया गया है-यः पश्यति, सः पश्यति।

स्मृति शेषः डॉ. मनमोहन सिंह

कमलेश्वर शरण

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का नाम भारतीय राजनीति में एक ऐसे नेता के रूप में लिया जाता है, जिन्होंने अपनी कड़ी मेहनत, समर्पण और बौद्धिक क्षमता से न केवल भारतीय राजनीति, बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था को भी नई दिशा दी। लेकिन एक दिलचस्प पहलू यह है कि डॉ. मनमोहन सिंह ने कभी भी सीधे चुनाव नहीं लड़ा। उनका प्रधानमंत्री बनने का सफर और राजनीति में उनका योगदान भारतीय लोकतंत्र के एक अनोखे और प्रेरणादायक अध्याय के रूप में सामने आता है।

मनमोहन सिंह का जीवन परिचयडॉ. मनमोहन सिंह का जन्म 26 सितंबर 1932 को पंजाब के गांव गाह (अब पाकिस्तान) में हुआ था। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा पंजाब में प्राप्त की और बाद में दिल्ली विश्वविद्यालय के श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स से अर्थशास्त्र में मास्टर डिग्री प्राप्त की। इसके बाद वह ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में डॉक्टरेट (ऊ द्धँ') करने के लिए गए, जहां उन्होंने वैश्विक आर्थिक समस्याओं पर गहरी सोच और विश्लेषण किया। मनमोहन सिंह का करियर अर्थशास्त्री के रूप में शुरू हुआ और भारतीय रिजर्व बैंक में कार्य करते हुए उन्होंने देश के वित्तीय प्रबंधन को सशक्त बनाने की दिशा में काम किया। बाद में वे वित्त मंत्रालय में देश के वित्त मंत्री के रूप में कार्यरत हुए, जहां उन्होंने 1991 में ऐतिहासिक आर्थिक सुधारों की शुरुआत की। इन सुधारों ने भारतीय अर्थव्यवस्था को एक नई दिशा दी और उसे वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाया।

प्रधानमंत्री बनने का रास्ता 1991 में जब भारतीय अर्थव्यवस्था गंभीर संकट का सामना कर रही थी, तब मनमोहन सिंह को देश के वित्त मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया। उनके नेतृत्व में भारतीय सरकार ने न केवल विदेशी ऋण को पुनर्निर्धारित किया, बल्कि एक श्रृंखलाबद्ध आर्थिक सुधार कार्यक्रम की शुरुआत की, जिसे 'नव उदारवाद' के रूप में जाना जाता है। इसके परिणामस्वरूप भारत की अर्थव्यवस्था को वैश्विक मंच पर एक नई पहचान मिली। इसके बाद 2004 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी ने डॉ. मनमोहन सिंह को प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में चुना। हालांकि मनमोहन सिंह ने कभी भी चुनाव नहीं लड़ा था लेकिन

उनकी बौद्धिक क्षमता और विश्वसनीयता के कारण उन्हें प्रधानमंत्री के पद के लिए उपयुक्त माना गया।

मनमोहन सिंह को 2004 में राज्य सभा सदस्य के रूप में चुना गया था और इसी पद से उन्होंने प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। उनका प्रधानमंत्री बनने का रास्ता किसी पारंपरिक राजनीतिक नेता के मार्ग से भिन्न था। उन्होंने ऐसी स्थिति में प्रधानमंत्री पद की शपथ ली, जहां वे पहले से ही चुनावी प्रक्रिया से बाहर थे लेकिन उनके अनुभव और सशक्त नेतृत्व की क्षमता ने उन्हें यह पद दिलवाया। नेतृत्व में अपार सफलतामनमोहन सिंह के प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश को एक महत्वपूर्ण स्थान पर पहुंचाया। उनके नेतृत्व में भारत ने कई आर्थिक और राजनीतिक सुधार किए और 2008 में भारत ने एक ऐतिहासिक परमाणु समझौता (क्ठउड-वर ठ्ठ ॅ१ ॐ') किया, जिसे दुनिया भर में सराहा गया। इसके अलावा उन्होंने भारत के सामाजिक क्षेत्र में भी कई महत्वपूर्ण पहल की, जैसे 'महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम' (टक्ष्ठफ्ऋ) की शुरुआत और 'आधार' प्रणाली का विस्तार। मनमोहन सिंह ने अपने कार्यकाल में राष्ट्रीय सुरक्षा, विदेश नीति, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे विभिन्न क्षेत्रों में सुधारों के माध्यम से एक स्थिर और समृद्ध भारत की दिशा में काम किया। राजनीतिक सफर में चुनौतियां मनमोहन सिंह का राजनीतिक जीवन हमेशा विवादों से मुक्त नहीं रहा। एक तरफ उनकी छवि ईमानदार और गंभीर नेता की थी, वहीं दूसरी ओर कुछ आलोचक यह मानते थे कि उनके नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी और यूपीए सरकार पर निर्णय लेने में विलंब का आरोप था। विशेष रूप से 2ऋ स्पेक्ट्रम घोटाले और कोयला घोटाले जैसे मामलों के बाद उनकी नेतृत्व क्षमता पर सवाल उठाए गए।

इसके बावजूद मनमोहन सिंह ने अपने शांतिपूर्ण और स्थिर नेतृत्व से यह साबित किया कि वे भारतीय राजनीति में एक सकारात्मक बदलाव के प्रतीक हैं।

कभी चुनाव न लड़ने का कारणमनमोहन सिंह का यह राजनीतिक सफर और उनकी कड़ी मेहनत यह सिद्ध करती है कि नेतृत्व का कोई निर्धारित पैटर्न नहीं होता। उन्होंने कभी भी चुनावी राजनीति में प्रवेश नहीं किया, लेकिन उनकी नेतृत्व क्षमता, आर्थिक ज्ञान और निर्णय क्षमता ने उन्हें भारत के प्रधानमंत्री तक पहुँचाया। उनका मानना था कि उन्हें जनादेश से नहीं बल्कि अपनी कार्यकुशलता से लोगों का विश्वास हासिल करना है। मनमोहन सिंह का यह कदम राजनीति में एक नए दृष्टिकोण को दर्शाता है, जहां कड़ी मेहनत, ईमानदारी और कार्यों के प्रति प्रतिबद्धता अधिक मायने रखती है, न कि चुनावी दौरे और प्रचार।

प्रेरणा स्रोत मनमोहन सिंह का राजनीतिक सफर भारत के लिए प्रेरणा स्रोत बन चुका है। उन्होंने यह साबित किया कि राजनीति में चुनावी जीत के अलावा भी एक नेता अपने कार्यों से इतिहास रच सकता है। उनका जीवन यह दर्शाता है कि भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में जहां चुनावी राजनीति का महत्व सर्वोपरि है, वहां भी एक व्यक्ति अपनी क्षमता और ईमानदारी से प्रधानमंत्री बन सकता है।

मनमोहन सिंह का निधनपूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने 26 दिसंबर 2024 को दिल्ली में अंतिम सांस ली। उनके निधन से भारत ने एक महान नेता और आर्थिक सुधारक को खो दिया है। उनका योगदान न केवल भारतीय अर्थव्यवस्था में, बल्कि भारतीय राजनीति और समाज में भी अविस्मरणीय रहेगा। उनकी शांति, ईमानदारी और समर्पण के कारण उन्हें न केवल भारत, बल्कि दुनिया भर में सम्मान प्राप्त था।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

कर्म के धरातल पर अत्यंत समृद्ध थे डॉ. मनमोहन सिंह

आचार्य पं. पृथ्वीनाथ पाण्डेय

हजारों जवाबों से अच्छी है मेरी खामोशी, न जाने कितने सवालों की आबरू रखी।"

अपनी इसी खामोशी के साथ 26 दिसम्बर, 2024 को फेफड़े में गम्भीर संक्रमण के कारण 92 वर्ष की आयु में रात्रि 9 बजकर 51 मिनट में पूर्व प्रधानमन्त्री डॉ. मनमोहन सिंह इस असार संसार का त्याग कर चुके थे। उनके शरीरान्त के पश्चात उनकी वही 'खामोशी' इन दिनों मुखर होकर सबको बेचैन कर रही है। डॉ. सिंह ने दस वर्षों के अपने प्रधानमन्त्रित्व काल में 'देशहित' को सर्वोपरि रखा। उन्होंने कभी प्रधानमन्त्री पद पाने की चाह भी व्यक्त नहीं की थी; काँग्रेस नेतृत्व ने खुद उनसे प्रधानमन्त्री पद स्वीकार करने का आग्रह किया था। वे वाचाल नहीं थे; आत्मप्रशंसक भी नहीं थे; सत्तालोलुप नहीं थे; विपक्षी दलों के लिए कभी अपशब्द का प्रयोग नहीं करते थे। सच तो यह है कि उन्होंने किसी नेता-नेत्री को आरोपित तक नहीं किया। वे न तो भाषणों में जोश दिखाते थे और न ही किसी विवाद को जन्म देते थे। वास्तव में, उनका काम ही उनकी पहचान थी। उनके चरित्र की सबसे बड़ी विशेषता थी कि वे जो भी करते थे, शालीनता के साथ। उन जैसा व्यावहारिक भारतीय अर्थशास्त्री न कल था और न ही आज है; भविष्य में भी कोई नज़र नहीं आ रहा। डॉ. मनमोहन सिंह जैसा सुशिक्षित एवं अनुभव सम्पन्न प्रधानमन्त्री आज़ादी के बाद से आज तक कोई नहीं हुआ। उनका अर्थबोध अद्वितीय रहा है। हम यदि उसके क्रम को समझें तो वे अर्थशास्त्र में वरिष्ठ व्याख्याता, उपाचार्य (रीडर), प्राध्यापक थे। वे

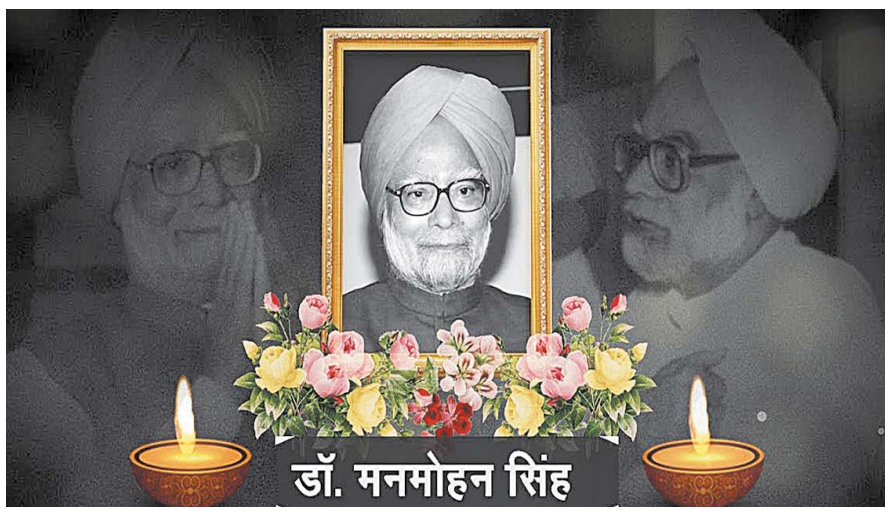

संयुक्त राष्ट्र-व्यापार एवं विकास-सम्मेलन (अंकटाडझ यूएनसीटीएडी) में भी सक्रिय थे। भारतीय रिज़र्व बैंक के निदेशक तथा गवर्नर, भारतीय औद्योगिक विकास बैंक के निदेशक, योजना आयोग के उपाध्यक्ष, दक्षिण आयोग के महासचिव, विदेश व्यापार मन्त्रालय के सलाहकार, 'दिल्ली स्कूल ऑफ इकॉनमिक्स' अन्तरराष्ट्रीय व्यापार के प्राध्यापक, वित्त मन्त्रालय के मुख्य आर्थिक सलाहकार रहे। यही कारण था कि वे विषम आर्थिक परिस्थितियों को भी अपनी कुशाग्र बुद्धिमत्ता का परिचय देते हुए अपने अनुकूल कर लेते थे।

हमें वर्ष 1991 का वह समय स्मरण रखना होगा, जब विश्व गम्भीर आर्थिक संकट के दौर गुजर रहा था। वैसी विषम परिस्थिति में पीवी नरसिम्हा राव के प्रधानमन्त्रित्व काल में डॉ. मनमोहन सिंह को वित्तमन्त्री बनाया गया। उस समय भारत का विदेशी मुद्रा भण्डार रिक्त हो चुका था; देश पर अत्यधिक ऋण का दबाव था। ऐसे में, उनकी तीन आर्थिक नीतियोंझ (1) उदारीकरण (2) निजीकरण (3) वैश्विकरण ने भारतीय अर्थव्यवस्था को नयी सकारात्मक ऊर्जा से भर दिया। उन्होंने अपनी सुशिक्षा और अनुभव के बल पर भारतीय अर्थव्यवस्था में अभिनव युग की शुरुआत की। उनकी आर्थिक उदारीकरण की नीति 'मील का पत्थर' साबित हुई, जिसके अन्तर्गत उन्होंने व्यापार, उद्योग तथा निवेश के क्षेत्रों में लोकोपयोगी सुधार किये थे, जिससे भारत को वैश्विक अर्थतन्त्र के साथ जोड़ने मे सहायता मिली। उन्होंने ही शासकीय उद्यमों को निजी क्षेत्र के लिए खोलने की शुरुआत की। निजीकरण के साथ विदेशी निवेश को भी प्रोत्साहित करने का श्रेय उन्हें जाता है। उन्होंने विदेशी कम्पनियों को भारत में निवेश के लिए आकर्षित किया। उनकी नीतियों का ही परिणाम था कि सूझबूझ एवं दूरदर्शिता के साथ उन्होंने कई दशक से भारतीय अर्थव्यवस्था में सुस्त वृद्धि और भ्रष्टाचार के स्रोत 'लाइसेंस-परमिट राज' को समाप्त कर दिया था; कर (टैक्स) कम कर दिये थे। यही कारण था कि उनके वित्तमन्त्रित्व-काल में भारत की आर्थिक दशा-दिशा पूर्णतः स्वस्थ एवं समृद्धि रही। अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति बराक ओबामा ने अपनी कृति 'ए प्रामिस्ड लैण्ड' में डॉ. मनमोहन सिंह की आर्थिक नीतियों की सराहना करते हुए लिखा थाझ वर्ष 1990 के बाद वे लगातार भारत की सुदृढ़ अर्थव्यवस्था बनाने में तत्पर और सन्नद्ध रहे। वे भारतीय अर्थव्यवस्था को ऊँचाई पर ले जाने वाले प्रमुख शिल्पी बने। डॉ. मनमोहन सिंह वर्ष 2004 से 2014 तक भारत के प्रधानमन्त्री बने रहे। उन्होंने अपने उन दस वर्षों के कार्यकाल में कभी अवकाश नहीं लिया, सिवाय वर्ष 2009 में जब उन्हें बाईपास सर्जरी करानी पड़ी थी। वे प्रतिदिन 18 घण्टे क्रियाशील थे। बताया जाता है कि वे प्रतिदिन 300 फाइलों का परीक्षण करते थे।

डॉ. सिंह भारत के ऐसे प्रधानमन्त्री थे जो पं. जवाहरलाल नेहरू के बाद पूरे पाँच वर्षों का कार्यकाल पूर्ण करने के बाद दोबारा प्रधानमंत्री बने। उनके कार्यकाल में शिक्षा के क्षेत्र में कई क्रान्तिकारी सुधार किये गये थे। उन्होंने 'शिक्षा का अधिकार-अधिनियम' लागू किया था, जिसके अन्तर्गत छह से चौदह वर्ष की बालक-बालिकाओं के लिए निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा की गारंटी दी गयी थी। हमें भूलना नहीं होगा कि डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व में यूपीए सरकार ने वर्ष 2006 में 'मनरेगा' (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारण्टी-अधिनियम) को लागू किया था, जिसमें ग्रामीण भारत के निर्धन परिवार को 100 दिनों के रोजगार देने की व्यवस्था रही। उनके कार्यकाल में भारत ने सूचना-प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बनायी। बीपीओ और आइटी उद्योग ने लाखों युवाओं के लिए रोजगार के अवसर उत्पन्न किये थे। टेलीकॉम-क्षेत्र में कराये गये सुधार ने देश के कोने-कोने में मोबाइल और इंटरनेट कनेक्टिविटी का विस्तार किया।

डॉ. मनमोहन सिंह की दूरदर्शिता तब और मुखर रूप में सामने आई जब वर्ष 2008 में भारत-अमेरिका का परमाणु-समझौता हुआ था, जो भारत को असैनिक परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम था। इसके द्वारा देश में ऊर्जा-संकट कम करने और स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने की नींव रखी गयी थी, हालांकि उस समझौते को लेकर तत्कालीन प्रतिपक्षी नेताओं ने विरोध भी किया, फिर भी डॉ. मनमोहन सिंह अपने निर्णय पर अटल बने रहे। हम डॉ. मनमोहन सिंह को दूरदर्शी प्रधानमन्त्री क्यों विश्लेषित करते आ रहे हैं? इसका उत्तर साफ है कि वे प्रधानमन्त्री-पद की कुर्सी से चिपके रहना नहीं चाहते थे। उन्होंने तो वर्ष 2014 मे सुस्पष्ट शब्दों में कह दिया था, "मैं तीसरी बार प्रधानमन्त्री नहीं बनूँगा। इतिहास मेरे साथ 'समकालीन मीडिया' और 'विपक्ष' से ज़्यादा इंसा×फ करेगा।"

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

खुशामदीद नया साल

कपिल अग्रवाल

आ रहा है नया साल
इस बार होगा बेमिसाल
करोगे कुछ पुरानी बातें
भूल के वो रिश्ते नाते
जो विलीन हो गये आसमां में
याद करोगे दिन जो वो काटे
चर्चा न कर पाओगे
पूछोगे न हाल चाल
खुशामदीद नया साल।

अपने ही करेंगे
अपनों की शिकायतें
मतलब के लिए होगी
मतलब की सब बातें
नये साल में नयी चर्चा
देश की और विदेश की
जाति धर्म मजहब की
मंदिर मस्जिद घर की
सब हो जाएगा इसमें बेहाल
खुशामदीद नया साल।

कुछ जन्म लेंगे, कुछ मरेंगे
कुछ जुटेंगे कुछ छूटेंगे
लाठी चाकू तलवार से
बम तोप हथियार से
राजनीति में आयेगा भूचाल
खुशामदीद नया साल।

प्रकृति का प्रकोप होगा
सूखा बाढ़ अकाल होगा
मानवता का होगा लोप
अपनों का न रखेगा ख्याल
खुशामदीद नया साल
इस बार होगा बेमिसाल।

(खुशामदीद का अर्थ- स्वागत)

शब्द-संधान : शब्दों के सम्यक प्रयोग का विवेचन करती पुस्तक

प्रमोद दीक्षित मलय

शब्द केवल अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं, अपितु जीवन के संगीत और रचनात्मकता के राग का प्रतीक भी होते हैं। अर्थ की धरोहर लिए हुए ये शब्द न केवल लोक-चेतना को परिष्कृत करते हैं, बल्कि उसे परिमार्जित भी करते हैं। हम जानते हैं कि परस्पर पर्याय होने के बावजूद शब्दों के अर्थ में सूक्ष्म भिन्नताएँ होती हैं। यह भिन्नता, किसी शब्द के पद या वाक्य में सम्यक् प्रयोग से पाठक के मन-मस्तिष्क में एक सजीव चित्र की भांति अर्थ का अंकन करती है। जहाँ उपयुक्त शब्द-प्रयोग रचना की गुणवत्ता को सरसता और प्रवाह के साथ पाठकों तक पहुँचाता है, वहीं अनुचित एवं अनुपयुक्त शब्द-प्रयोग न केवल अर्थ के प्रकटीकरण में बाधा डालता है, बल्कि कई बार हास्यास्पद स्थितियाँ भी उत्पन्न कर देता है।

लेखन में शब्दों के शुद्ध, सार्थक और उपयुक्त प्रयोग की आवश्यकता पर बल देती पुस्तक 'शब्द-संधान' इन दिनों साहित्य प्रेमियों और शब्द साधकों के बीच चर्चा का केंद्र बनी हुई है। यह कृति न केवल विद्वज्जनों, साहित्यिक मनीषियों, विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए उपयोगी है, अपितु सामान्यजन के लिए भी उतनी ही महत्त्वपूर्ण है। विशेष रूप से यह पुस्तक उन व्यक्तियों के लिए अपरिहार्य है, जिनका कार्य संवाद और संप्रेषण से जुड़ा है, जैसेझ मीडिया कर्मी, राजनेता, वकील, रंगमंचीय कलाकार, उपदेशक, संत इत्यादि।

'शब्द-संधान' केवल एक पुस्तक नहीं, बल्कि सार्थक अभिव्यक्ति और शुद्ध संप्रेषण की दिशा में एक मार्गदर्शिका है। पुस्तक की विषयवस्तु तीन खंडों में विभाजित है। खंड (क) शब्द-संधान, खंड (ख) शब्द-संधान के सूत्र तथा खंड (ग) शब्द-संकलन। प्रथम खंड में शब्दों के उचित प्रयोग पर 100 अध्यायों में विस्तृत विवेचन मिलता है। प्रत्येक अध्याय में समानार्थी, समानोच्चारित तथा लेखन एवं बोलचाल में सामान्यतः व्यवहृत ऐसे शब्दों को लिया गया है, जिनके प्रयोग में प्रायः त्रुटि होती है, जैसेझ अनुदित और अनूदित, शैक्षिक और शैक्षणिक, सपत्नीक और सपत्नी; नृत्त और नृत्य, बुद्धि, मेधा, प्रज्ञा और प्रतिभा, पुरुष और परुष; कठिन और कठोर, स्वागतम और सुस्वागतम , अनभिज्ञ, अभिज्ञ, अज्ञ, विज्ञ और ज्ञ, खोज, गवेषणा, शोध, आविष्कार और अनुसंधान, जयंती और जन्मोत्सव, सृजन और सर्जन का पेंच, कृति, कृत्ति और कृती, कोटि, श्रेणी और वर्ग, अनशन, उपवास, व्रत और भूख हड़ताल इत्यादि। इन सौ अध्यायों में सम्मिलित और विवेचित शब्द पाठक के सम्मुख उनकी पूरी अर्थवत्ता के साथ उपस्थित होते हैं, जिससे अर्थ एवं प्रयोग की दृष्टि से महीन अंतर भी सुस्पष्ट हो जाता है।

अनुभूत सत्य है कि न केवल लोकजीवन के परस्पर मौखिक संवाद में अथवा वार्ता के क्रम में,

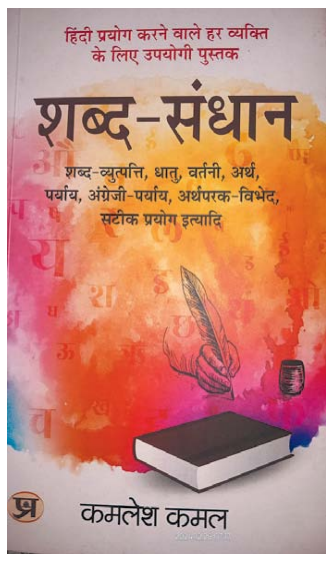

कृति : शब्द-संधान
लेखक - कमलेश कमल
प्रकाशक - प्रभात प्रकाशन, नयी दिल्ली
मूल्य - 500/-

अपितु लेखन में भी साहित्यिकों द्वारा बहुधा त्रुटिपूर्ण शब्द व्यवहृत होते हैं, जिसके कारण व्यक्त भाव अनर्थकारी हो जाते हैं। उदाहरण के लिएझ अर्थी और अरथी समानोच्चारित होने के बावजूद अर्थ में बड़ा अंतर रखते हैं। असावधानी या अज्ञानवश इनका अनुचित प्रयोग अर्थसिद्धि में समर्थ नहीं हो सकता, यह समझना चाहिए। विश्वास के साथ कह सकता हूँ कि पाठक इन सौ अध्यायों से गुजरते हुए शब्द-सम्पदा अर्जित करता चलता है और भाषा-संवर्धन के प्रति उसका अनुराग भी बढ़ता जाता है। लेखक का मत हैझ ''सटीक अथवा समुपयुक्त शब्द-प्रयोग से ही किसी भाषा का प्राण-तत्व अक्षुण्ण रहता है।'' निश्चित ही, शब्दों के साधु और सुसंगत सम्यक् प्रयोग एवं व्यवहार से ही भाषा की सम्प्रेषणीयता प्रभावी होती है और वह लालित्यपूर्ण एवं सहज प्रवाहमयी बनती है।

द्वितीय खंड (ख) के अंतर्गत आठ अध्याय जहाँ अपनी शब्द-सुवास से पाठकों के मन-मस्तिष्क को सुरभित करते हैं, वहीं बुद्धि के कपाट खोल अचम्भित भी करते हैं कि कैसे कुछ शब्द अपने सन्निहित अर्थ के विपर्यय अर्थ में प्रयुक्त हो, हास्यास्पद स्थिति उत्पन्न कर देते हैं। उदाहरण के लिए, कृष्णा और सूर्या को ही लीजिए। बच्चों को बड़ों द्वारा लाड़-दुलार से पुकारे जाने वाले ये दोनों शब्द प्रायः हमारे पड़ोस में मिल जाते हैं। अभिभावकों को नहीं ज्ञात होता कि कृष्णा का अर्थ द्रौपदी है, कृष्ण नहीं। इसी तरह सूर्या, सूरज नहीं है; बल्कि उनकी पत्नी का नाम है। उपरोक्त तो अपने शुद्ध रूप 'उपर्युक्त' को बहुत पीछे धकेल लगभग हर शासकीय-विभागीय आदेश-पत्रों में महिमा मंडित हो रहा है। ऐसे ही पत्रों और रपटों में उल्लिखित 'दिनाँक' मानो भाषाविदों को चिढ़ा रहा हो, जिसे दिनांक होना चाहिए था। साम्यता, औदार्यता, सौंदर्यता, स्तनपान, गोकशी, समंदर, स्वादिष्ट, नवरात्रि, अभ्यारण्य, अंतर्ध्यान आदिक अशुद्ध शब्द जन-मानस में भाषिक सजगता की अपेक्षा करते हैं। इन आठ अध्यायों में लोकजीवन में कुछ बहु प्रचलित शब्दों तथा देशज-विदेशज शब्दों के निर्माण की वार्तनिक यात्रा अंकित है। अंतिम खंड (ग) में पर्यायवाची, विलोम तथा श्रुति-सम भिन्नार्थक शब्दों की विस्तृत सूची दी गई है जिसमें क से त्र वर्ण तक के 351 शब्दों के पर्यायवाची शब्द, 600 विलोम शब्द तथा 460 श्रुति-सम भिन्नार्थक शब्दों की सूचिका पाठकों के लिए शब्दों के अर्थ का विस्तृत फलक प्रदान करती हैं।

पुस्तक 'शब्द-संधान' पढ़ते हुए लगता है कि जैसे कोई शिक्षक अपने स्नेहपात्र विद्यार्थियों के सम्मुख शब्द-रचना के सूत्रों को चित्र-पट पर प्रकाशित कर रहा हो। मेरे पास हिंदी व्याकरण एवं शब्दकोश की एक दर्जन पुस्तकें होंगी; पर भाषाविद् एवं वैयाकरण कमलेश कमल की कृति 'शब्द-संधान' अपनी शोधपरक अंतःसामग्री, सम्यक् शब्द विवेचन एवं अर्थ-स्पष्टता तथा रुचिपूर्ण शैली के कारण मुझे अत्यंत महत्त्वपूर्ण लगती है। यह शब्दों के शुद्ध-अशुद्ध उलझाव का संजाल ऐसे काट देती है, जैसे घने बादल को प्रकाश की किरण। भाषिक-जटिलता का व्यावहारिक समाधान प्रस्तुत करती अनुपम कृति 'शब्द

आजादी के बाद 67 साल में 7 नए जिले, गहलोत ने चुनावी साल के आखिर में राजनीतिक लाभ के लिए बनाए 17 जिले: अविनाश गहलोत

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का फोकस घोषणाओं के क्रियान्वयन पर, पहले ही साल में 50 फीसदी वादों को किया पूरा: सुमित गोदारा

चमकता राजस्थान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सरकार की कैबिनेट बैठक के बाद विपक्ष की ओर से की गई अनर्गल बयानबाजी पर पलटवार करते हुए कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत और सुमित गोदारा ने विपक्ष के बयान को बचकाना और बेतुका बताया। कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस की भ्रष्ट सरकार ने कभी सोचा तक नहीं कि आजादी के 67 साल में केवल 7 नए जिले बनाए गए, जबकि इन्होंने राजनीतिक लाभ प्राप्त करने के चलते चुनावी साल के अंतिम 6 माह में 17 नए जिले और 3 संभाग बनाने की घोषणा कर दी। कांग्रेसी नेताओं द्वारा राजनीतिक लाभ के लिए आनन-फानन में उठाए गए फैसले से यह स्पष्ट हो गया था कि उनकी सोच एक थी कि ''हम तो डूबेंगे ही सनम, तुम्हें भी डूबाएंगे''।

कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि सरकार के निर्णयों पर प्रतिक्रिया नेता प्रतिपक्ष को देनी चाहिए थी, लेकिन डोटासरा ने यहां भी अतिक्रमण करते हुए पहले प्रेसवार्ता की। डोटासरा, जूली और गहलोत विपक्ष की भूमिका में रहते हुए भी बेतुके बयानबाजी दे रहे है, उन्हें भाजपा सरकार के फैसलों का स्वागत करना चाहिए था। मंत्री गहलोत ने डोटासरा से सवाल किया कि वे सर्व दलिय बैठक करने के लिए बोल रहे थे, लेकिन क्या उन्होंने 17 नए जिले बनाते समय बैठक की थी! प्रदेश में विपक्ष के पास अब धरने, प्रदर्शन के अलावा कुछ नहीं बचा। कांग्रेसी नेताओं के पास धरने-प्रदर्शन करने के लिए भी कोई विषय नहीं बचा, ऐसे में वो इस तरह के बचकाने बयान जारी कर रहे है। विपक्ष के नेताओं की उम्र हो रही है, ऐसे में वो राजनीति में जिंदा रहने के लिए इस तरह के बयानबाजी कर रहे है। अब कांग्रेस विपक्ष में ही रहने वाली है।

कैबिनेट मंत्री सुमित गोदारा ने डोटासरा के बयानबाजी पर पलटवार करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सरकार के पहले ही साल में भाजपा संकल्प पत्र के 50 फीसदी से अधिक वादों को पुरा करने का ऐतिहासिक कार्य किया है, ऐसे में विपक्ष सरकार के कार्यों को देखकर बौखला गया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने किसानों की आय बढ़ाने का कार्य किया, एमएसपी बढाई, उज्जवला रसोई गैस के दाम 450 रूपए किए, बिजली के क्षेत्र में दूर दराज तक जीएसएस बनाए जा रहे है, सड़कों का कार्य किया जा रहा है, शिक्षा-चिकित्सा सहित सभी क्षेत्रों में भाजपा सरकार कार्य कर रही है। यह मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का माइक्रो मॉनिटरिंग की बदौलत संभव हो पा रहा है। मुख्यमंत्री शर्मा का फोकस घोषणाओं के क्रियान्वयन पर है। ऐसे में यह ही कहा जा सकता है कि गतिशील मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, प्रगतिशील राजस्थान के लिए कार्य कर रहे है।

कैबिनेट मंत्री सुमित गोदारा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सरकार का उद्देश्य प्रदेश की 8 करोड़ जनता को लाभ पहुंचाना है। इस दिशा में लगातार जनहितैषी कार्य किए जा रहे है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में विकसित राजस्थान बनाया जाएगा। गोदारा ने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार की मंशा जनता के हित में नहीं थी, अगर जनता के हितों को ध्यान में रखकर जिले बनाए जाते तो गहलोत 15 साल तक मुख्यमंत्री रहे है, उन्होंने 14 साल तक जिलों के बारे में चर्चा तक नहीं की और जब सरकार जाने वाली थी, उस दौर में चुनाव से कुछ माह पूर्व बिना किसी योजना के 17 नए जिले बना दिए। प्रदेश की जनता है सब जानती है और सब समझती है, जनता ने कांग्रेस को विधानसभा चुनावों में आइना दिखा दिया। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार का फैसला राजनीतिक स्वार्थ था, जबकि भजनलाल सरकार का फैसला जनहितार्थ है।

संक्षिप्त समाचार

काबरा ने सेंट्रल काउंसलिंग सदस्य का चुनाव जीता

चमकता राजस्थान। सत्यनारायण पारीक। श्रीनगर के मूल निवासी और वर्तमान में मुंबई निवासी सबसे कम उम्र के वेस्टर्न इंडिया रीजनल काउंसलिंग के पूर्व चेयरमैन अर्पित काबरा ने इंस्टिट्यूट ऑफ़ चार्टर्ड अकाउंटेंट के सेंट्रल काउंसलिंग सदस्य के रूप चुनाव में विजय प्राप्त की।यह संस्था देश की वित्तीय और आर्थिक नीतियां निर्धारण करने में महत्वपूर्ण योगदान देती है। अर्पित श्रीनगर निवासी जगदीश काबरा के पुत्र हैं। इनके चाचा सुभाष चंद काबरा राजनीतिक , सामाजिक और धार्मिक क्षेत्र में अपनी विशेष पहचान रखते हैं। अर्पित ने महाराष्ट्र, गुजरात और गोवा क्षेत्र से इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड अकाउंटेंट की सेंट्रल काउंसलिंग का चुनाव लड़ा था जिनमें 12 निर्वाचित सदस्य में यह शामिल है।

ब्लॉक कांग्रेस द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि

चमकता राजस्थान/धौलपुर रामदास तरुण । आज दिनांक 28 दिसंबर 24 को ब्लॉक कांग्रेस का कार्यालय, बाड़ी पर एक बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें भारत के पूर्व प्रधानमंत्री और अर्थशास्त्री डॉ. मनमोहन सिंह जी के निधन पर शोक व्यक्त किया गया। 26 दिसंबर 2024 को उनका निधन देश और कांग्रेस पार्टी के लिए एक अपूरणीय क्षति के रूप में सामने आया। डॉ. मनमोहन सिंह जी भारत के यशस्वी व्यक्तित्व के धनी थे, और उनकी प्रतिभा ने देश को कई महत्वपूर्ण दिशा- निर्देश दिए। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया, जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर 2 मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता रामेंद्र मीणा ने की। इस अवसर पर पार्षद सहित अन्य कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

तीन दिवसीय हरि कथा का आयोजन, गुरु के महत्व पर विशेष चर्चा

चमकता राजस्थान/धौलपुर रामदास तरुण। बाड़ी : दिव्य ज्योति जागृति संस्थान द्वारा तीन दिवसीय हरि कथा का आयोजन दिव्य गुरु श्री आशुतोष महाराज जी की असीम अनुकंपा से किया जा रहा है। आज तृतीय दिवस पर दिव्य गुरु श्री आशुतोष महाराज जी की शिष्या साध्वी विदुषी विनीता भारती जी ने बताया कि मानव तन अत्यंत भाग्य से प्राप्त होता है, और यह तभी सार्थक है, जब पूर्ण गुरु का आशीर्वाद प्राप्त हो। उन्होंने कहा कि हमारे ग्रंथों में भगवान श्री राम और श्री कृष्ण जी ने भी मानव तन को धारण करने के बाद गुरु का आश्रय लिया, जिससे उनका जीवन सफल हुआ। श्री रामचरित मानस में कहा गया है, ₹गुरु ग्रह गए पढ़न रघुराई, अल्प काल विद्या सब पाई₹, जो यह दर्शाता है, कि गुरु की शरण में जाने से ही सारी विद्याओं का ज्ञान प्राप्त होता है, जो इस लोक और परलोक में हमारी मदद करता है। साध्वी विनीता भारती जी ने आगे कहा कि संसार के किसी भी कार्य को करने के लिए हमें गुरु की आवश्यकता होती है, जो हमें उस कार्य में निपुण बना सके। इसी प्रकार, जीवन में भी हमें गुरु की आवश्यकता है, जो हमें परम सत्ता से मिलवाए, जिसे दिव्य दृष्टि से ही देखा जा सकता है।

उन्होंने अंतिम रूप से कहा कि जब ईश्वर का दर्शन हमारे भीतर हो जाता है, तब जीवन का मुख्य उद्देश्य पूरा हो जाता है। ₹अखण्डमण्डलाकारं व्याप्तं येन चराचरम्। तत्पदं दर्शितं येन तस्मै श्रीगुरवे नमः₹, अर्थात जो गुरु हमें परमात्मा का दर्शन कराए, उसी गुरु की शरण में जाना चाहिए। यह कथा गुरु के महत्व और दिव्य दृष्टि के विषय में गहरी समझ प्रदान करती है।

विधायक डॉ विकास चौधरी ने ग्रामीण क्षेत्र का दौरा किया

चमकता राजस्थान रघुनंदन पारीक श्रीनगर। अजमेर/मदनगंज किशनगढ़:- किशनगढ़ विधायक डॉ विकास चौधरी ने निर्वाचन क्षेत्र के ग्रामीण इलाके का दौरा किया । विधायक चौधरी ने क्षेत्र के कई स्थानों पर जनता से संवाद किया उनकी पीड़ा को समझा और विकास कार्यों को प्राथमिकता देने का वादा किया। विधायक चौधरी ने कहा कि बाबा साहेब अंबेडकर द्वारा लिखे गए संविधान ने ही हमें अधिकार दिलाए हैं । उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि बाबासाहेब का अपमान किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा । साथ ही बरना, ढसूक, किशनपुरा,अराई,खेड़ा-नोनंदपुरा, सिरोंज,गागुंदा, भोगादीत सहित दर्जनभर गांवो में पिछले दिनों जिन परिवारों ने अपनों को खोया उनके दुख दर्द में सम्मिलित हुए, परिवारों को ढाढस बधांया । इस दौरान उनके साथ क्षेत्र के सरपंच गण, पंचायत समिति सदस्य, वरिष्ठ जनप्रतिनिधि एवं पार्टी कार्यकर्ता साथ रहे ।

लिविंग वेद पर संगोष्ठी

वेदों से नई पीढ़ी को जोड़ने की आवश्यकता : देवनानी

चमकता राजस्थान

जयपुर, 28 दिसंबर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि वेदों से नई पीढ़ी को जोड़ने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि वेदों की शिक्षाओं को सरल भाषा में बताया जाना आज की जरूरत है। श्री देवनानी का कहना था कि हम कितने भी आधुनिक बन जाएं, वेदों की शिक्षाओं की आवश्यकता हमारे जीवन में सदैव बनी रहेगी।

देवनानी ने कहा कि वेद प्राचीनतम ग्रंथ हैं लेकिन यह आज भी सामायिक है। उन्होंने कहा कि लोगों को सरल भाषा में वेदों को समझाना आवश्यक है। श्री देवनानी ने विद्वानों का आव्हान किया कि वे वेदों का सरलीकरण से विवेचन करें ताकि लोगों को वेदों की अनुभूति हो सके और वे समझ सके कि मानव जीवन की समस्याओं का समाधान वेदों में है। श्री देवनानी का मानना था कि जीवन जीने की शैली वेदों से समझी जा सकती है।

देवनानी शनिवार को केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में आयोजित अरविंद के आलोक में वेद की आधुनिक व्याख्या पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। देवनानी ने दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया।

देवनानी ने कहा कि वेद अतीत नहीं वर्तमान है । आमजन को उनकी अनुभूति करने की आवश्यकता है। यह केवल आध्यात्मिक अनुष्ठान ही नहीं है बल्कि चेतना की गहरी परतो तक पहुंचने वाला अथाह ज्ञान है।

देवनानी ने कहा कि पारिस्थितिकी संतुलन को वेदों से समझा जा सकता है। वेद राष्ट्रीय जागरण को नई दिशा देते हैं। मानवता का सबसे बड़ा दर्शन भी वेदों में मिलता है। प्रकृति के प्रति सम्मान वेदों से समझा जा सकता है और भारत के नैतिक ढांचे को भी यह आकार प्रदान करते हैं।

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के निदेशक सुदेश कुमार शर्मा ने स्वागत उद्बोधन किया। संगोष्ठी को डॉ अजीत सबनीस और डॉ आलोक पांडे ने भी संबोधित किया। वैदिक मंत्र उच्चारण डॉ सुधाकर पांडे ने किया। समारोह में पहुंचने पर देवनानी की केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के वाई एस रमेश और अरविंदो सोसाइटी के सूर्य प्रताप सिंह सहित विश्वविद्यालय, साक्षी ट्रस्ट और सोसायटी के अधिकारियों ने अगवानी की।

कांग्रेसियों ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को दी श्रद्धांजलि

- निधन पर किया शोक व्यक्त

चमकता राजस्थान। नदबई (राजवीर सिंह)। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह जी के निधन पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी नदबई ने शोक सभा का आयोजन किया गया

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के ब्लॉक अध्यक्ष हर स्वरुप शर्मा के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शोकसभा में मनमोहन सिंह को दी चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी

इस मौके पर डॉ मनमोहन सिंह जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा की देश को मनरेगा,भारत-अमेरिका परमाणु समझौता,सूचना का अधिकार,राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून,शिक्षा का अधिकार, आधार कार्ड,भूमि अधिग्रहण और वन अधिकार कानून आदि कई महत्वपूर्ण अनेको कानून जो देश के गरीब वर्ग के लिए मील का पत्थर साबित हुए एंव विश्व की डूबती हुई अर्थव्यवस्था के बीच देश की आर्थिक नीति को संभाले रखने के लिए सराहना की साथ ही ब्लॉक अध्यक्ष हरस्वरूप शर्मा ने कहा कि मनमोहन सिंह जी ने जब देश की बागडोर प्रधानमंत्री के रूप में संभाली तो, देश बहुत ही विकट परिस्थितियों से गुजर रहा था। लेकिन उन्होंने अपनी संजीदगी और काबिलियत का परिणाम देते हुए देश को आर्थिक संकट से निकला। उन्होंने कहा कि इससे कांग्रेस पार्टी को गहरा आघात पहुंचा है जिसकी भरपाई कभी नहीं की जा सकती।

इसके साथ ही देश विदेश के प्रिय नेता थे जिन्होंने अपने चेहरे पर शिकन लिये बिना देश के तमाम मुद्दों एवं चुनौतियां का सफलतापूर्वक सामना किया। जिसके लिए देश उन्हें चिरकाल तक स्मरण रखेगा।

इस मौके पर शहर कांग्रेस अध्यक्ष अनुभव शर्मा,युवक कांग्रेस के विधानसभा अध्यक्ष प्रभाव चौधरी,पूर्व पार्षद मदन लाल बहरिया,डॉक्टर के पी सिंह ,दिलीप बहरामदा रवि वर्मा मनोहर लाल लवानिया राम प्रसाद सैनी समय सिंह सहित कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

लाडो प्रोत्साहन योजना से सभी पात्र बालिकाओं को मिले लाभ : जिला कलक्टर

महिला अधिकारिता एवं बाल विकास विभाग के कार्यों व योजनाओं की जिला कलक्टर ने समीक्षा करते हुए दिए आवश्यक निर्देश

चमकता राजस्थान

अनिल पुष्करणा/फलौदी,28 दिसंबर। जिला कलक्टर एच.एल अटल की अध्यक्षता में आयोजित महिला अधिकारिता एवं बाल विकास विभाग की बैठक में विभागीय योजनाओं व कार्यों की समीक्षा की गई। जिला कलक्टर ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना,लाडो प्रोत्साहन योजना,मुख्यमंत्री नारी शक्ति उद्यम प्रोत्साहन योजना,काली बाई भील उड़ान योजना सहित अन्य योजनाओं की समीक्षा करते हुए प्रगति लाने के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना की समीक्षा करते हुए जिला कलक्टर ने सीएमएचओ को शिशु मृत्यु दर की वस्तुस्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत करने तथा शिशु लिंगानुपात में सुधार लाने के निर्देश दिए। बीडीईओ को माध्यमिक शिक्षा में बालिकाओं का नामांकन प्रतिशत बढ़ाने तथा बालिकाओं की पोषण स्थिति में सुधार कर कम वजन एवं एनेमिक की स्थिति में सुधार लाने के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

महिला अधिकारिता विभाग उप निदेशक ने लाडो प्रोत्साहन योजना के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि राज्य में बालिकाओं के प्रति समाज में सकारात्मक सोच विकसित करने एवं उनके स्वास्थ्य तथा शैक्षणिक स्तर में सुधार के लिए गरीब परिवार की बालिकाओं के जन्म पर एक लाख रुपए का सेविंग बॉन्ड प्रदान किया जाता हैं। जिसमें सम्पूर्ण भुगतान 7 किस्तों के रूप में डीबीटी के माध्यम से ऑनलाइन किया जाता हैं। जिला कलक्टर ने जिले में सभी पात्र बालिकाओं को योजना के लाभान्वित करवाने तथा योजना के संबंध में जागरूकता बढ़ाने के निर्देश दिए। काली बाई भील उड़ान योजना के तहत सैनेट्री नेपकीन के वितरण की स्थिति जानते हुए आवश्यक निर्देश दिए।

वन स्टॉप सेंटर, महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्र में प्राप्त प्रकरणों की समीक्षा करते हुए जिला कलक्टर ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को थानों सहित फील्ड में महिला सलाह सुरक्षा के कार्यक्रम व जागरूक गतिविधियों का आयोजन करने के लिए कहा। साथ ही महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्र में कार्यरत कर्मचारियों के प्रशिक्षण शिविर भी आयोजित करने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने सभी राजकीय व गैर राजकीय कार्यालयों में आंतरिक शिकायत समिति का गठन अनिवार्य रूप से करने तथा समिति की अध्यक्ष महिला अधिकारी का होना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार जिला कलक्टर ने नारी शक्ति उद्यम प्रोत्साहन योजना, मुख्यमंत्री नारी शक्ति प्रशिक्षण एवं कौशल संवर्धन योजना, आंगनवाड़ियों में पौषाहार व दुग्ध वितरण सहित अन्य कार्यों की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए।

संक्षिप्त समाचार

सुनी हवेलियों में नकबजनी करने के चार आरोपी और एक खरीददार को किया गिरफ्तार

- **चोरी किए गए सोने और चांदी बरामद**

चमकता राजस्थान (अनिल पुष्करणा)। फलोदी 28 दिसंबर सूनी हवेलीयों में रात्रि में नकबजनी की वारदातों को अंजाम देने वाली गैंग का फलोदी पुलिस ने पर्दाफाश करते हुए। नकबजनी करने के आरोप में चार शातिर चोर व एक खरीददार गिरफ्तार करने के साथ ही 4 चांदी के बिस्किट व 13 सिक्के बरामद करने में सफलता प्राप्त की है। जिला पुलिस अधीक्षक फलोदी श्रीमति पूजा अवाना ने बताया कि जिला स्पेशल टीम फलोदी व थाना फलोदी नें बंद हवेली में हुई नकबजनी की वारदात का खुलासा कर चार शातिर चोर कमलकिशोर माली, अरूण वैष्णव, अशोक जैन, बजरंग कुमावत व चुराई गई चांदी के खरीददार विजय कुमार सोनी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।
पुलिस अधीक्षक फलोदी श्रीमति पूजा अवाना ने बताया कि परिवादी राकेश जैन निवासी फलोदी ने रिपोर्ट पेश की कि भैरुलाल जी महाराष्ट्र रहते है, उनकी बंद पड़ी हवेली में अज्ञात चोरों ने नकबजनी की वारदात की है। जिस पर मुकदमा दर्ज कर अज्ञात चोरों की तलाश प्रारम्भ की गई। कस्बा फलोदी व आस पास के ग्रामीण ईलाको में बढती चोरियों की वारदातों को रोकने व प्रकरण मे माल मशरुका बरामद करने के लिये अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ब्रजराजसिंह चारण व वृताधिकारी फलोदी अचलसिंह देवड़ा के निर्देशन मे रामेश्वर दयाल सीआई थानाधिकारी फलोदी मय जाब्ता व प्रदीप हैड कानि जिला स्पेशल टीम फलोदी मय टीम द्वारा मुखबिर आसूचना व तकनीकी डाटाबेस संकलित कर चार संदिग्ध व्यक्तियों को दस्तयाब कर पूछताछ की। दस्तयाबशुदा अशोक जैन, कमलकिशोर, अरूण कुमार, बजरंग द्वारा प्रकरण की वारदात करना स्वीकार किया गया । जिस पर आरोपीगणों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चुराये गये 148 ग्राम के चांदी के 13 सिक्के बरामद किये गये। पूछताछ अनुसार आरोपीगणों द्वारा हवेली में से चुराई गई चांदी विजय कुमार सोनी निवासी फलोदी को बेचना बताया। जिस पर आरोपी विजय कुमार को गिरफतार कर उसके कब्जे से 983 ग्राम चांदी के चार बिस्किट बरामद किये गये। आरोपीगण बंद हवेलीयों में से गहना व बर्तन चुराकर बेचने तथा नशा करने के आदि है।

मनरेगा श्रमिकों ने पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के निधन पर जताया शोक

चमकता राजस्थान/वैर (राजवीर सिंह)। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के निधन पर वैर उपखण्ड के गांव उनापुर (चकधरसोनी) क्षेत्र के मनरेगा श्रमिकों ने गहरा शोक व्यक्त कर दो मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर चक धरसोनी सरपंच प्रतिनिधि महेश कुमार ने कहा पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को याद करते हुए कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के पीएम कार्यकाल में लोगों के जीवन पर बड़ा असर डालने वाला एक फैसला महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम 2005 में लागू करने का रहा। इसने गरीब तबके के लोगों को सम्मान के साथ कमाई करने का मौका दिया। मनरेगा ने गरीबी घटाने के साथ गावों में सामंती मानसिकता को ढीला करने में भी बड़ी भूमिका निभाई। अर्थव्यवस्था के सबसे निचले हिस्से को सहारा देने में आज भी यह योजना साबित हो रही है। इस शोक की घडी में मनरेगा श्रमिक भगवान सिंह मीणा, चंद्रशेखर,मुकेश,भूपेंद्र, मनीराम, महेंद्र, रामफूल, जयसिंह, हवलदार,पातरा, रामकली, फूलवती, गीता आदि श्रमिकों ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का शोक व्यक्त कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

पीयूष सुराणा ने की भाजपा के नेताओं और राजस्थान के मुख्यमंत्री की घोर निंदा

चमकता राजस्थान /रघुनंदन पारीक /श्रीनगर /अजमेर। भाजपा के नेताओं और राजस्थान मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की हठधर्मिता के चलते राजस्थान के 9 जिले और 3 संभाग निरस्त किए गए। शहर जिला कांग्रेस कमेटी सोशल मीडिया विभाग के जिला अध्यक्ष पीयूष सुराणा ने राजस्थान सरकार और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की घोर निंदा की। और पीयूष सुराणा ने कहा कि कांग्रेस की सरकार के समय दूदू से पूर्व विधायक बाबूलाल नागर और केकड़ी से पूर्व विधायक डॉ रघु शर्मा ने कड़ी मशकत के बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा दूदू,केकड़ी को जिले बनवाए। लेकिन भाजपा सरकार की कमजोर नीतियों के कारण आज इन्हें निरस्त कर दिया गया। इनसे ना राज्य संभल रहा है,ना संभाग और ना ही जिले संभल रहे है। ऐसी सरकार और मुख्यमंत्री का विरोध करना कोई गलत बात नहीं है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से यदि जिले,संभाग,राज्य नहीं संभल रहे हैं तो इन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। सोशल मीडिया के पदाधिकारी पूर्णिमा बुंदेल,गायत्री देवी,सरोज, कांता,महेंद्र कुमार जोशी,प्रमोद चौहान,राकेश पंवार,नरेश सोलीवाल,कमल कृपलानी,अमित शर्मा,नितिन बुंदेल,स्नेहलता नागौरी,दीपा पारवानी,नीलम सबलानिया,मुकेश टेलर,सूर्यप्रकाश वर्मा एवं अन्य कार्यकारिणी सदस्यों ने घोर निंदा कर विरोध जताया।

युगपुरुष अटल बिहारी वाजपेई के चित्रों की प्रदर्शनी

चमकता राजस्थान/जयपुर। भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की जनशताब्दी पर एक विशाल प्रदर्शनी लगाई गई इस प्रदर्शनी का आयोजन भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय के द्वारा किया गया इस प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए भारतीय जनता पार्टी राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, वरिष्ठ अधिवक्ता भाजपा नेता एवं हिंदी प्रचार प्रसार संस्थान जयपुर राजस्थान के अध्यक्ष डॉ अखिल शुक्ला ने किया साथ में अधिवक्ता कार्तिकेय अन्य भाजपा के कार्यकर्ता इस प्रदर्शनी को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा 25 दिसंबर को उद्घाटित की गई थी

कांग्रेस पार्टी सड़क से लेकर सदन तक जिलों एवं संभागों को निरस्त करने के निर्णय के विरूद्ध जन-आंदोलन करेगी : डोटासरा

चमकता राजस्थान

जयपुर, 28 दिसम्बर। प्रदेश में भाजपा सरकार की कैबिनेट में नो जिले एवं तीन संभाग निरस्त करने के फैसले पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द डोटासरा ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. डॉ. मनमोहन सिंह जी जिनके 10 वर्ष के कार्यकाल को आज पूरा देश याद कर रहा है और हम सभी उनको श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं।
पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी का अंतिम संस्कार भी पूर्णतया सम्पन्न नहीं हुआ ऐसी शोक की घड़ी में राजस्थान के मुख्यमंत्री एवं भाजपा सरकार ने राजस्थान में नए जिले एवं संभाग पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने गठित किए थे, उनमें से 9 जिले एवं 3 संभाग को निरस्त करने का जनविरोधी निर्णय लिया है। जो निंदा योग्य निर्णय है। खेद का विषय है कि जहां पूरे विश्व में पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित की जा रही है तथा भारत सरकार ने सात दिवस का राजकीय शोक घोषित किया हुआ है, विदेशों में भी भारतीय दूतावासों पर झण्डे आधे झुके हुए है उसके बावजूद राजस्थान की डबल इंजन की सरकार ने ऐसा जनविरोधी निर्णय किया है जिसकी कल्पना प्रदेशवासियों ने नहीं की थी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने कहा कि जनहित में प्रशासनिक सुविधा के लिए रिटायर्ड आई ए एस की अध्यक्षता में गठित कमेटी की सिफारिशों पर प्रदेश में पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने नए जिले एवं संभाग गठित किए थे तथा जनता को प्रशासनिक सुविधाएं प्राप्त हो, अधिक से अधिक लाभ मिले, यह महत्वपूर्ण फैसला कांग्रेस की पूर्ववर्ती सरकार के समय हुआ था किन्तु अपने 12 माह के कार्यकाल में राजस्थान की भाजपा सरकार ने जिले निरस्त करने का पहला फैसला केबिनेट बैठक में लिया है जो कि जनता के जनमानस के विरूद्ध है, 9 जिले एवं 3 संभागों को निरस्त करने के निर्णय की कांग्रेस पार्टी घोर निंदा करती है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के 9 जिलें एवं 3 संभागों को निरस्त करने के निर्णय के विरूद्ध कांग्रेस पार्टी प्रदेश में जन-आंदोलन करेगी। उन्होंने कहा कि अगले वर्ष जनगणना प्रारम्भ होनी है, केवल 31 दिसम्बर, 2024 तक जिलों की सीमाओं के सीमांकन की छूट प्रदेश सरकार को मिली थी और न्यायालय में शीतकालीन अवकाश चल रहा है, इसलिए आनन-फानन में प्रदेश सरकार ने यह निर्णय किया है ताकि कोई कोर्ट में जाकर जनहित याचिका नहीं लगा सके और 01 जनवरी, 2025 से सीमांकन पर प्रशासनिक रोक लग जाएगी। उन्होंने कहा कि जिलों एवं संभागों को समाप्त करने जैसा गलत निर्णय प्रदेश में किसी सरकार ने नहीं लिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी जनता के साथ कंधे से कंधा मिलाकर इस अलोकतांत्रिक, विवेकहीन, पर्ची से लिए गए निर्णय के खिलाफ जन-आंदोलन चलाएगी और आवश्यकता हुई तो माननीय न्यायालय की शरण भी ली जाएगी। उन्होंने कहा कि एक कमेटी प्रदेश में नए जिलों एवं संभागों के गठन की सिफारिश जनहित में प्रशासनिक दृष्टि से उचित बताते हुए करती है और दूसरी कमेटी बनाकर भाजपा द्वारा यह निर्णय किया गया जो कि प्रदेश के हितों के विपरीत है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के बार-बार दिल्ली दौरों से प्रदेश को कोई सौगात नहीं मिली, ना ही ईआरसीपी राष्ट्रीय परियोजना घोषित हुई किन्तु जिले एवं संभाग निरस्त करने की पर्ची दिल्ली से मिल गई। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को दिल्ली के सामने इस तरह समर्पण दिखाने की बजाए स्वयं के विजन एवं विवेक से निर्णय लेना चाहिए था। उन्होंने कहा कि जो जिले नए गठित हुए थे वहां कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक लगे हुए हैं जिलों के कार्यालय बन रहे है, जिलाधीश भवन बन चुके है, उन जिलें एवं संभागों को इस तरह से समाप्त करने का निर्णय निंदनीय है एवं जनविरोधी है। भाजपा सरकार द्वारा कम दूरी की दलील देकर जिलों को समाप्त करना भी समझ से परे एवं तर्कहीन है। भरतपुर से डीग की दूरी सिर्फ 38 किलोमीटर है, लेकिन डीग को जिला बरकरार रखा गया है। जबकि सीकर से नीमकाथाना की दूरी 85 किलोमीटर, श्रीगंगानगर से अनूपगढ़ की दूरी 122 किलोमीटर और जालोर से सांचौर की दूरी 135 किलोमीटर होने के बावजूद नीमकाथाना, अनूपगढ़ एवं सांचौर तीनों जिलों को निरस्त कर दिया गया।
उन्होंने कहा कि विधानसभा चलाने के लिए तो सर्वदलीय बैठक भाजपा सरकार द्वारा बुलायी जाती है किन्तु इस तरह के बड़े निर्णय लेने से पूर्व भी सर्वदलीय बैठक बुलाकर भाजपा सरकार को लेनी आवश्यक थी। उन्होंने कहा कि आश्चर्य है कि उप मुख्यमंत्री भी अपने जिले को नहीं बचा सके जबकि मुख्यमंत्री भजनलाल ने अपने गृह क्षेत्र के जिले का बचा लिया, यह आपसी अंर्तकलह भी उजागर हुई है। उन्होंने कहा कि सरकार को जनहित के लिए कार्य करना चाहिए लेकिन इस तरह के निर्णय राजनीतिक द्वेष की भावना से लिए गए जिससे जनता की परेशानियां बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि 01 जनवरी, 2025 तक राजकीय शोक है उसके पश्चात कांग्रेस पार्टी द्वारा प्रदेश में जनता के साथ कंधे से कंधा मिलाकर भाजपा सरकार के विरूद्ध जन-आंदोलन खड़ा किया जाएगा और भाजपा की राजस्थान सरकार को इस निर्णय को बदलने के लिए मजबूर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगले आमचुनावों में कांग्रेस की सरकार आएगी और भाजपा सरकार द्वारा समाप्त किए गए जिलों एवं संभागों का पुनः गठन किया जाकर क्षेत्रीय जनता को लाभान्वित करने का कार्य किया जाएगा।
नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि एक तरफ तो लोग पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी को श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे है वहीं दूसरी ओर भाजपा की सरकार ने 9 जिलों एवं 3 संभागों को समाप्त करने का जनविरोधी निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने सक्षम कमेटी की अनुशंषा पर किसान, मजदूर, गरीब एवं आमजन की सुविधा के लिए नए जिले एवं संभाग बनाने का कार्य किया था। उन्होंने कहा कि नए जिलों के गठन के साथ ही आधारभूत ढांचा तैयार करते हुए जिला स्तरीय समस्त अधिकारियों की नियुक्ति की गई थी और प्रशासनिक कार्य सुचारू चल रहा था। उन्होंने कहा कि भाजपा नेता कह रहे हैं कि जिले छोटे हैं किन्तु छोटे जिले बनने से आमजन को सहूलियत मिलती है और त्वरित न्याय मिलता है, योजनाओं की मॉनिटरिंग अच्छे से होती है। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक सुविधा के लिए देश में छोटे राज्य भी बने है। मध्यप्रदेश से तोड़ कर छत्तीसगढ़ राज्य बना और राजस्थान से छोटा प्रदेश होने के बावजूद मध्यप्रदेश में आज 53 जिले है। उन्होंने कहा कि अनूपगढ़ व सांचौर की जिला मुख्यालयों से दूरी 100 किमी से अधिक है किन्तु इस पर भाजपा सरकार ने कोई ध्यान नहीं दिया केवल राजनीतिक द्वेषता के कारण जिले समाप्त करने का जनविरोधी निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं ने दिमाग में यह धारण कर लिया है कि ये जिले कांग्रेस द्वारा बनाए गए थे इसलिए उन्हें समाप्त करना है जबकि पड़ोसी राज्यों में बॉर्डर का जिला है चरखी दादरी जिसमें मात्र 6 लाख की जनसंख्या है, पोरबंदर में 5 लाख की जनसंख्या है, चित्रकूट में 10 लाख की जनसंख्या है। उन्होंने कहा कि जब भाजपा शासित राज्यों में यह जिले बन सकते है तो राजस्थान में जिले समाप्त करने का कोई औचित्य नहीं है। उन्होंने कहा कि जिलों के समाप्त होने के कारण किसानों एवं लोगों को तकलीफों का सामना करना पड़ेगा क्योंकि जिला मुख्यालयों की दूरी बढ़ गई है उदाहरण के लिए सांचौर और जालोर की दूरी 100 किमी से अधिक है लेकिन भाजपा सरकार को आमजन की तकलीफों से कोई सरोकार नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार को यदि जिलों के गठन में कोई कमी लगती थी तो उनका पुर्नसीमांकन किया जा सकता था लेकिन समाप्त करने का निर्णय गलत है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में और नए जिले बनाने की भी गुंजाईश थी, भौगोलिक दृष्टि के अनुसार और भी 5-7 नए जिले गठित किए जा सकते है। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा सत्र में इस जनविरोधी निर्णय के विरूद्ध भाजपा सरकार को घेरने का कार्य किया जाएगा तथा कांग्रेस पार्टी सड़क से लेकर सदन तक जिलों एवं संभागों को निरस्त करने के निर्णय के विरूद्ध जन-आंदोलन करेगी।

जैसलमेर के रेगिस्तान में बह निकली गंगा, देखते ही देखते समा गया ट्रक

चमकता राजस्थान

जैसलमेर।(सी आर देवपाल म्याजलार)। जिले के मोहनगढ़ के नहरी क्षेत्र लुप्तप्राय सरस्वती नदी का इलाका में एक अद्भुत घटना सामने आई है। मोहनगढ़ के चक 27 बीडी के पास ट्यूबवेल की खुदाई के दौरान अचानक जमीन से पानी का फव्वारा फूट पड़ा। यह घटना विक्रम सिंह के खेत में हुई जहां खुदाई के दौरान मशीन तक जमीन में धंस गई और खेत तालाब में बदल गया। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर भी जमकर वायरल हो रहा है।दरअसल मोहनगढ़ में यह घटना तब हुई जब खेत में ट्यूबवेल की खुदाई 800 फीट तक पहुंची। जैसे ही पाईप निकाले जा रहे थे जमीन से पानी अपने आप ऊपर उठने लगा। पानी इतनी तेज़ी से निकला कि आसपास के खेत पानी में डूब गए। हजारों लीटर पानी खेत में जमा हो गया और खेत एक तालाब में तब्दील हो गया।

- **सरस्वती नदी का चैनल- भूजल वैज्ञानिक डॉ. नारायण दास ईणखिया**

इस रहस्यमयी घटना के बाद भूजल वैज्ञानिक डॉ. नारायण दास ईणखिया ने घटनास्थल का दौरा किया। उन्होंने इस घटना को लेकर कहा कि यह भूजल का सामान्य रिसाव नहीं हो सकता। उन्होंने इसे लुप्त सरस्वती नदी के चैनल से जोड़ते हुए संभावना जताई कि यह घटना सरस्वती नदी के प्राचीन प्रवाह के संकेत हो सकते हैं।डॉ. नारायण दास ईणखिया ने कहा कि यह घटना भूजल प्रवाह का असामान्य उदाहरण है। उन्होंने इसे सरस्वती नदी के प्राचीन चैनल का संभावित हिस्सा बताया। भूजल के इस तरह से उभरने से यह संभावना बनती है कि यह क्षेत्र कभी सरस्वती नदी का हिस्सा रहा हो।

- **बिना स्वीकृति के हो रही थी खुदाई**

जानकारी के मुताबिक ट्यूबवेल की खुदाई बिना प्रशासनिक स्वीकृति के की जा रही थी। खुदाई के दौरान ट्यूबवेल मशीन तक जमीन में धंस गई। प्रशासन ने इसे गंभीर लापरवाही बताते हुए मामले की जांच के आदेश दिए हैं। वहीं खेत में पानी का तेज़ बहाव शुरू होने के कारण आसपास के कई घरों में पानी भर गया है। ग्रामीणों ने पानी के तेज़ प्रवाह और संभावित नुकसान को लेकर चिंता व्यक्त की है।

0029 गैंग का सदस्य दस हजार का इनामी अपराधी गिरफ्तार

कम्पनीयों द्वारा फाईनेंस वाहनों को खुर्दबुर्द करने में है माहिर

चमकता राजस्थान

अनिल पुष्करणा/फलोदी। लम्बे समय से फरार दस हजार रूपये का ईनामी अपराधी जिला स्पेशल टीम फलोदी ने कार्यवाही करते हुऐ गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस अधीक्षक फलोदी श्रीमति पूजा अवाना ने बताया कि दिनांक 27 दिसंबर को जिला स्पेशल टीम फलोदी ने कार्यवाही करते हुऐ अप्रेल 2023 से फरार चल रहे दस हजार रूपये के ईनामी अपराधी हबीबखां निवासी डेरियों की ढाणी जालोड़ा को दस्तयाब करने में सफलता हासिल की है। आरोपी हबीबखां कुख्यात गैंग 0029 का सदस्य होने के साथ ही कम्पनीयों द्वारा फाईनेंस वाहनों को खुर्दबुर्द करने में भी माहिर है । जिला पुलिस अधीक्षक फलोदी श्रीमति पूजा अवाना ने बताया कि फाईनेंस वाहनों को खुर्द बुर्द करने का आदतन अपराधी थाना देचू के तीन प्रकरणों में वांछित चल रहा था। एस.के. फाईनेंस बालेसर द्वारा फाईनेंस करवाये गये टैक्टर की किश्तें नहीं भरने, खुर्द बुर्द करने के संबंध में आरोपीगण हबीबखां वगैरा के विरूद्व पुलिस थाना देचू पर प्रकरण संख्या 60 दिनांक 17.04.2023 धारा 420,406 भा.द.स. दर्ज करवाया था।
इसी प्रकार प्रार्थी खुशालाराम निवासी जेठानिया ने थाना देचू पर रिपोर्ट दर्ज करवाई कि मैंने एस. के. फाईनेंस से खरीदशुदा टैक्टर को आगे बेचान करवाया था। जो पोलाराम ने किश्तें नहीं भरकर आगे बेचान कर दिया। जिस पर प्रकरण संख्या 137 दिनांक 12.11.2024 धारा 420,406 भा.द.स. दर्ज किया गया। इसी प्रकार प्रार्थी खुशालाराम निवासी जेठानिया ने थाना देचू पर रिपोर्ट दर्ज करवाई कि मैंने एस.के. फाईनेंस से खरीदशुदा टैक्टर को आगे हबीबखां को बेचान करवाया था। जो हबीबखां ने किश्तें नहीं भरकर आगे बेचान कर दिया। जिस पर प्रकरण संख्या 138 दिनांक 18.11.2024 धारा 420,406 भा.द.स. दर्ज किया गया। आरोपी हबीबखां की गिरफ्तारी पर दस हजार रूपये का ईनाम जारी किया गया था।

क्रिसमस तथा नववर्ष मनाया

चमकता राजस्थान/जयपुर। शहर मे मनाए जा रहे क्रिसमस तथा नववर्ष के कार्यक्रमों मे सामाजिक संस्था भव्य प्रेम सेवा मिशन ट्रस्ट तथा लिपिका सोशल वेलफेयर सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान मे गत रात्रि अजमेर रोड़ स्थित होटल गोल्डन ईगल मे क्रिसमस एवं नववर्ष कार्यक्रम मनाया गया कार्यक्रम मे मुख्य रूप से प्रदेश कांग्रेस कमेटी महासचिव राजेश चौधरी,समन्वय ग्रुप के संस्थापक म×कसूद खान, भीम आर्मी प्रदेशध्यक्ष जीतेन्द्र हटवाल तथा समता सैनिक दल प्रदेशध्यक्ष धर्मपाल बौद्ध, पूजा पी जी कॉलेज प्राचार्या डॉ. ललिता स्वामी, सदस्य राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी कमलेश कपिल अतिथि रहे जिन्होंने फीता काटकर कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की कार्यक्रम के दौरान ट्रस्ट से जुड़े बच्चों ने भजन, राजस्थानी तथा देशभक्ति के गानों पर डांस प्रस्तुतियाँ दी संस्था अध्यक्षा शकुन सिंह ने बताया की हरवर्ष कार्यक्रम आयोजित होता है ट्रस्ट से जुड़े हुए परिवार मिलकर गरीब बच्चों मे कपड़े, कम्बल, भोजन तथा शिक्षा सामग्री वितरण, पौधा रोपण, स्वास्थ्य तथा शिक्षा जनजागरूकता कार्यक्रम नारी उत्थान इत्यादि कार्यक्रम करते हैं कार्यक्रम के अंत मे अतिथियों द्वारा सभी परिवारों और बच्चों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

रिलायंस फाउंडेशन ने 5 हजार अंडरग्रेजुएट स्कॉलरशिप की लिस्ट जारी की

- **राजस्थान के 216 विद्यार्थियों को मिली स्कॉलरशिप**
- **धीरूभाई अंबानी की 92वीं जयंती पर जारी की गई लिस्ट**

चमकता राजस्थान/मुंबई। रिलायंस फाउंडेशन ने अंडरग्रेजुएट स्कॉलरशिप के लिए पूरे भारत से 5 हजार अंडरग्रेजुएट छात्रों का चयन किया है। चयनित छात्रों की लिस्ट धीरूभाई अंबानी की 92वीं जयंती पर जारी की गई। 2024-25 की अंडरग्रेजुएट स्कॉलरशिप के तहत प्रत्येक छात्र को 2 लाख रुपये तक का अनुदान मिलेगा। छात्रवृत्ति के लिए 1 लाख से अधिक अंडरग्रेजुएट छात्रों ने आवेदन दिया था। जिन छात्रों को चुना गया है उनमें से करीब 70 फीसदी की पारिवारिक आय 2.50 लाख रुपए से कम है।
29 राज्यों के 540 जिलों में से स्कॉलरशिप पाने वाले छात्रों को चुना गया है। यह 5 हजार छात्र करीब 1300 शिक्षण संस्थानों से जुड़े हैं। आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना और महाराष्ट्र के छात्रों को सबसे अधिक स्कॉलरशिप मिली। राजस्थान के भी 216 विद्यार्थी स्कॉलरशिप पाने में सफल रहे हैं।
रिलायंस फाउंडेशन के प्रवक्ता ने कहा, ''चयनित विद्यार्थी देश के सबसे मेधावी छात्रों में से एक हैं। शिक्षा भविष्य की कुंजी है, और हमें इन छात्रों की शैक्षणिक यात्रा का हिस्सा बनने पर गर्व है।₹ स्कॉलरशिप लिस्ट और जानकारी के लिए छात्र रिलायंस फाउंडेशन डॉट ओआरजी पर 17-अंकीय आवेदन संख्या या ईमेल आईडी के जरिए विवरण देख सकते है।

प्रदेश में 9 जिलों को निरस्त करने का भाजपा सरकार का निर्णय अविवेकशीलता एवं राजनीतिक प्रतिशोध का उदाहरण : अशोक गहलोत

चमकता राजस्थान

जयपुर 28 दिसंबर । प्रदेश की भाजपा सरकार की कैबिनेट के फैसले में 9 नए जिलों को रद्द करने के सरकार के फैसले पर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि हमारी सरकार द्वारा बनाए गए नए जिलों में से 9 जिलों को निरस्त करने का भाजपा सरकार का निर्णय अविवेकशीलता एवं राजनीतिक प्रतिशोध का उदाहरण है।

पूर्व मुख्य मंत्री गहलोत ने कहा कि हमारी सरकार के दौरान जिलों का पुनर्गठन करने के लिए वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी रामलुभाया की अध्यक्षता में 21 मार्च 2022 को समिति बनाई गई थी जिसको दर्जनों जिलों के प्रतिवेदन प्राप्त हुए। इन्हीं प्रतिवेदनों का परीक्षण कर समिति ने अपनी रिपोर्ट दी जिसके आधार पर नए जिले बनाने का निर्णय किया गया।

मध्य प्रदेश से छत्तीसगढ़ के अलग होने के बाद राजस्थान देश का सबसे बड़ा राज्य बन गया परन्तु प्रशासनिक इकाइयों का पुनर्गठन उस अनुपात में नहीं हुआ था। राजस्थान से छोटा होने के बाद भी मध्य प्रदेश में 53 जिले हैं।

उन्होंने कहा कि नए जिलों के गठन से पूर्व राजस्थान में हर जिले की औसत आबाादी 35.42 लाख व क्षेत्रफल 12,147 वर्ग किलोमीटर था (हालांकि त्रिपुरा राज्य का क्षेत्रफल 10,492 वर्ग किलोमीटर, गोवा राज्य का क्षेत्रफल 3,702 वर्ग किलोमीटर, दिल्ली केन्द्र शासित प्रदेश का क्षेत्रफल 1,484 वर्ग किलोमीटर है) जबकि नए जिले बनने के बाद जिलों की औसत आबादी 15.35 लाख व क्षेत्रफल 5268 वर्ग किलोमीटर हो गया था।

गहलोत ने कहा कि जिले की आबादी व क्षेत्र कम होने से शासन-प्रशासन की पहुंच बेहतर होती है एवं सुविधाओं व योजनाओं की बेहतर डिलीवरी सुनिश्चित हो पाती है। छोटी प्रशासनिक इकाई होने पर जनता की प्रतिवेदनाओं का निस्तारण भी शीघ्रता से होता है।

पूर्व मुख्य मंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि भाजपा सरकार द्वारा जिन जिलों को छोटा होने का तर्क देकर रद्द किया है वो भी अनुचित है। जिले का आकार वहां की भौगोलिक परिस्थितियों के आधार पर होता है। हमारे पड़ोसी राज्यों के जिले जैसे गुजरात के डांग (2 लाख 29 हजार), पोरबंदर (5 लाख 85 हजार) एवं नर्बदा (5 लाख 91 हजार), हरियाणा के पंचकुला (5 लाख 59 हजार) एवं चरखी दादरी (लगभग 5 लाख 1 हजार), पंजाब के मलेरकोटला (लगभग 4 लाख 30 हजार), बरनाला(5 लाख 96 हजार) एवं फतेहगढ़ साहिब (6 लाख) जैसे कम आबादी वाले जिले हैं। कम आबादी वाले जिलों में सरकार की प्लानिंग की सफलता भी ज्यादा होती है। छोटे जिलों में कानून व्यवस्था की स्थिति को बहाल रखना भी आसान होता है क्योंकि वहां पुलिस की पहुंच अधिक होती है।

उन्होंने कहा कि परिस्थितियों के आधार पर जिलों की आबादी में भी अंतर होना स्वभाविक है जैसे उत्तर प्रदेश में प्रयागराज जिले की आबादी करीब 60 लाख है जबकि चित्रकूट जिले की आबादी 10 लाख है। परन्तु सरकार के लिए प्रशासनिक दृष्टि से छोटे जिले ही बेहतर लगते हैं। सरकार की तरफ से एक तर्क यह दिया जा रहा है कि एक जिले में कम से कम 3 विधानसभा क्षेत्र होने चाहिए जबकि भाजपा द्वारा 2007 में बनाए गए प्रतापगढ़ मे परिसीमन के बावजूद भी केवल दो विधानसभा क्षेत्र हैं।

गहलोत ने कहा कि सरकार द्वारा जहां कम दूरी का तर्क दिया जा रहा है वो भी आश्चर्यजनक है क्योंकि डीग की भरतपुर से दूरी केवल 38 किमी है जिसे रखा गया है परन्तु सांचौर से जालोर की दूरी 135 किमी एवंअनूपगढ़ से गंगानगर की दूरी 125 किमी होने के बावजूद उन जिलों को रद्द कर दिया गया।

पूर्व मुख्य मंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि हमारी सरकार ने केवल जिलों की घोषणा ही नहीं की बल्कि वहां कलेक्टर, एसपी समेत तमाम जिला स्तरीय अधिकारियों की नियुक्ति कर हर जिले को संसाधनों के लिए बजट भी दिया।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार द्वारा उठाए गए इस अदूरदर्शी एवं राजनीतिक प्रतिशोध के कारण लिए गए निर्णय की निंदा करते हैं।

जिला परिषद सीईओ आईएएस सोमनाथ का नवाचार - प्लास्टिक मुक्त कार्यालय की पहल

चमकता राजस्थान

धौलपुर रामदास तरुण । धौलपुर। जिला परिषद के सीईओ आईएएस सोमनाथ निवृत्ति ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की शुरुआत की है। उन्होंने जिला परिषद को पूरी तरह से प्लास्टिक मुक्त बनाने का निर्णय लिया है, जिससे पर्यावरण को शुद्ध और स्वच्छ रखा जा सके। इस पहल के तहत, जिला परिषद के कर्मचारियों को प्लास्टिक का उपयोग न करने की शपथ भी

दिलाई गई है। यह कदम पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी का प्रतीक है, और यह सुनिश्चित करेगा। कि जिला परिषद एक मॉडल के रूप में कार्य करे।

अब, पानी की बोतल के स्थान पर कांच की बोतलों का इस्तेमाल किया जा रहा है। जिला परिषद के कर्मचारी अब पानी पीने के लिए कांच की बोतल का उपयोग करते हैं, और कार्यालय आने वाले उच्च अधिकारियों को भी कांच की बोतल प्रदान की जाती है। कांच की बोतल पर्यावरण के लिए सुरक्षित और स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद होती है, जबकि प्लास्टिक का उपयोग हमारे स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों के लिए हानिकारक है। इस सराहनीय पहल से पर्यावरण संरक्षण के प्रति जिले में सकारात्मक संदेश जाएगा। सोमनाथ की यह पहल सचमुच प्रशंसा योग्य है, जो दूसरों को भी प्लास्टिक के उपयोग को कम करने के लिए प्रेरित करेगी। यह कदम न केवल पर्यावरणीय दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह जिले में सरकारी कार्यालयों के कामकाजी वातावरण में बदलाव लाने की दिशा में एक मजबूत कदम है।

नेट-थियेट पर राजस्थानी लोकगीत

- **घर की लुगायां म्हारे काम करें छे,चुग लावे लकड़ी छाणा रे**

चमकता राजस्थान। जयपुर। नेट-थियेट कार्यक्रमों की श्रृंखला में आज राजस्थानी लोकगीत कार्यक्रम में राजस्थान के सुप्रसिद्ध लोक गायक सांवरमल कथक(श्री डूंगरगढ़) और साथी कलाकार खुशी चौहान ने अपनी सुरीली आवाज से राजस्थानी लोकगीतों की ऐसी अविरल धारा प्रवाहित कि की श्रोता सर्द मौसम की फुहारों में लोक संस्कृति में आनंद के हिलेरी लेने लगे। नेट-थियेट के राजेन्द्र शर्मा राजू ने बताया कि कलाकार सांवरमल कथक ने अपने कार्यक्रम की शुरूआत धन म्हारा देश बीकाणा घर की लुगाया म्हारे काम करे छे,चुग लायावे लकड़ी छोणा रे से की । उन्होंने सुप्रसिद्ध लोकगीत पाळ माथे पिपळी कलालण हिंडएं घाल्यो ए इसके बाद म्हारा साजनीयारे माने नींद नहीं आवे थारी ओलूड़ी सतावे घर आओ मारा साजनीयां को बहुत ही मस्ती भरे अंदाज में प्रस्तुत कर लोगों को आनंदित किया । इसके बाद सांवरमल एवं खुशी चौहान ने एक युगल गीत गोरली कर सोलह सिंणगार चाली पाणी न पणीहार और ओलूडी घणी आवे म्हारी नाजुडी न लोकगीत सुनाया तो लोग मंत्र मुग्ध हो गए ।

अंत में कलाकारों ने बहुत ही प्रसिद्ध लोकगीत म्हारो रंग रंगीलो राजस्थान, सोना री धरती जठ चांदी रो आसमान, रंग रंगीला रस भरयो म्हारो प्यारो राजस्थान को बड़े ही मनोयोग से गाकर राजस्थान की लोक संस्कृति को समृद्ध बना दिया। इनके साथ तबले पर धीरज कथक ने अपनी संगत से इस संध्या को खुशनुमा बना कर दर्शकों की तालियां बटोरी ’

खुशखरीद के देवेंद्र सिंधवी की ओर से कलाकारों को स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए । संयोजक नवल डांगी, कैमरा मनोज स्वामी,संगीत रेनू सनाढ्य, मंच सज्जा अंकित शर्मा नोनू एवं जीवितेश शर्मा की रही।

खाद्य व किराना संघ का स्नेह मिलन समारोह हुवा सम्पन्न

- **सभी व्यापारियों ने आन लाइन खरीदी नही करने की ली शपथ**

चमकता राजस्थान /रमेश मोदी। चौमहला/झालावाड़। खाद्य एवं किराना व्यापार संघ का स्नेह मिलन समारोह शुक्रवार रात्रि को अग्रवाल धर्मशाला में सम्पन्न हुआ जिसमें व्यापारियों हितों की चर्चा की गई साथ ही सर्व सम्मति से पवन पिछोलिया को पुनः अध्यक्ष चुना गया।

समारोह में अथिति के रूप में किराना व्यापार संघ के संरक्षक हंसराज जैन,व्यापार महासंघ संयोजक दिलीप जैन,पूर्व व्यापार संघ अध्यक्ष नारायण लाल अग्रवाल,परामर्शदाता सुरेश जैन,अशोक पोरवाल,वरिष्ठ व्यापारी प्रकाश चंद्र जैन,जयप्रकाश अग्रवाल रहे,समारोह में व्यापारिक चर्चा की गई साथ ही ऑनलाइन व्यापार पर चिंता व्यक्त की गई किराना व्यापार संघ अध्यक्ष ने कहा ऑनलाइन व्यापार से कस्बे का व्यापार व्यवसाय प्रभावित हो रहा है उन्होंने सभी व्यापारियों से अपील की कोई भी व्यापारी व उसका परिवार ऑनलाइन खरीदी नहीं करे ,सभी व्यापारियों ने ऑनलाइन खरीदी नहीं करने की शपथ ली,व्यापार महासंघ संयोजक दिलीप जैन सभी को शपथ दिलाई साथ ही चौमहला कस्बे को साफ सुथरा रखने की भी शपथ ली ,अमित अग्रवाल ने सभी को कस्बा साफ सुथरा रखने की शपथ दिलाई, समारोह में पवन पिछोलिया को पुनः सर्व सम्मति से अध्यक्ष चुना गया,पवन पिछिलिया के पुनः अध्यक्ष चुने जाने पर व्यापारियों द्वारा सम्मान किया गया।

बाघसुरी के उप स्वास्थ्य केन्द्र में मरीजों के लिए नहीं है कोई सुविधा चिकित्सक रहते हैं नदारद चिकित्सा व्यवस्था हुई अस्त-व्यस्त

चमकता राजस्थान/रघुनंदन पारीक श्रीनगर । अजमेर/ नसीराबाद। उपखंड के ग्राम बाघसूरी के उप स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों को नहीं मिल रही है कोई सुविधा साथ ही इतनी लापरवाही नजर आ रही है कि मरीज को पटटी कराने के लिए भी भटकना पड़ रहा है टीवी के मरीज के लिए दवाईयां नहीं मिल पा रही है दवाइयां के लिए मरीज परेशान हो रहे हैं टीवी की दवाइयों के लिए टीवी के मरीजों को चक्कर लगाने पड़ रहे हैं केन्द्र पर दवाईयां उपलब्ध नहीं है इस केन्द्र पर पास ग्रामीण क्षेत्र भी लगते है जिसमें बनेवड़ा सहित आस पास के ग्रामीण चिकित्सा के लिए इस स्वास्थ्य केन्द्र पर आते हैं पर चिकित्सा सुविधाएं नहीं मिलने से परेशान होते हैं इस चिकित्सालय में कोई जिम्मेदारी पर ध्यान देने वाला नहीं है हॉस्पिटल अधीक्षक भी आदि बार नदारत रहती है जिससे आमजन को चिकित्सा सुविधा नहीं मिल पा रही है वही चिकित्सक मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के उद्देश्यों पर भी पानी फेर रहे बनेवडा संघर्ष समिति के सदस्य जितेन्द्र सिंह राठौड़ ने बताया कि बाघसुरी चिकित्सा केन्द्र पर ग्रामीणों को शीघ्र चिकित्सा सुविधाएं नहीं मिलने पर चिकित्सालय के ग्रामीणों सहित धरना प्रदर्शन करने की चेतावनी चिकित्सा अधिकारियों को दी है

पत्नी-बेटे का किया मर्डर, फिर मां-बाप को चाकू से गोदा, पढ़े ये दिल दहला देने वाला मामला

सूरत/एजेंसी। गुजरात के सूरत में एक दिल दहलाने वाली घटना में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी और बच्चे की हत्या कर दी और अपने माता-पिता पर जानलेवा हमला किया। यह घटना शहर के सरथाना इलाके में हुई।

पुलिस के अनुसार, आरोपी स्मिथ गियानी ने पारिवारिक विवाद के चलते यह खौफनाक कदम उठाया। उसने अपने परिवार के सदस्यों पर चाकू से हमला किया। हमले में उसकी पत्नी और बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके माता-पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। आरोपी ने हमले के बाद खुद को भी चोट पहुंचाई, लेकिन उसे बचा लिया गया। पड़ोसियों के मुताबिक, स्मिथ और उसके परिवार के बीच अक्सर झगड़े होते रहते थे। पारिवारिक दबाव की वजह से आरोपी मानसिक रूप से काफी परेशान था। कुछ दिन पहले हुए एक पारिवारिक विवाद के बाद से ही वह काफी तनाव में था। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने पूछताछ में बताया कि उसके बड़े पापा की कुछ दिन पहले मृत्यु हुई थी। इस घटना के बाद उसके परिवार और बड़े पापा के परिवार के बीच मतभेद बढ़ गए थे। बड़े पापा के परिवार ने उसके परिवार को अपने घर आने से मना कर दिया था। इस बात से आरोपी काफी आहत था। उसे लगा कि दुनिया में उसका कोई नहीं है, इसलिए उसने यह खौफनाक कदम उठाया।

उ.प. रेलवे पर क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

महाप्रबन्धक अमिताभ की अध्यक्षता में हुई बैठक

चमकता राजस्थान

फुलेरा (दामोदर कुमावत) । उत्तर पश्चिम रेलवे प्रधान कार्यालय जयपुर में महाप्रबन्धक अमिताभ की अध्यक्षता में क्षेत्रीय राज भाषा कार्यान्वयन समिति, की67वीं बैठक आयोजित की गई। उ. प. रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण के अनुसार बैठक में सितम्बर 2024 को समाप्त तिमाही अवधि की हिंदी प्रगति की समीक्षा क्षेत्रीय स्तर पर की गई । महाप्रबंधक ने अपने संबोधन में कहा कि उ.प. रेलवे का अधिकांश हिस्सा राजभाषा नियमानुसार ''क'' क्षेत्र में आता है। इसलिए हमारा यह कर्तव्य हो

जाता है कि हम अपने ग्राहकों को सेवा उनकी भाषा में ही दें। इसमें कोई संदेह नहीं है कि रेल कार्यालयों में हिंदी के प्रयोग में निरंतर प्रगति हो रही है लेकिन हिंदी का प्रयोग राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्य के अनुसार सुनिश्चित करने के लिएहमें इस दिशा में सतत प्रयास करने आवश्यक है।

अध्यक्ष ने प्रधान कार्यालय स्तरपर प्रकाशितत्रैमासिक हिंदी ई- पत्रिका मरूधरा के 29 वें अंक का विमोचन किया। उन्होने कहा कि यह पत्रिका रेलवे के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिंदी में आलेख, कविताएं आदि लिखने का अवसर प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि ई- पत्रिका में अपना झ्र अपना लेख अवश्य दे। उत्कृष्ट लेखों के लेखकों को राजभाषा विभाग द्वारा उचित पुरस्कार दिया जाए। मुख्य राजभाषा अधिकारी सुश्री गीतिका पाण्डेय, ने अपने संबोधन में कहा कि एक भाषा के रूप में हिंदी न सिर्फ भारत की पहचान है बल्कि यह भाषा हमारे जीवन मूल्यों, संस्कृति एवं संस्कारों की सच्ची संवाहक, संप्रेषक और परिचायक भी है। हिंदी की वैश्विक स्थिति सम्माननीय और प्रगतिवान है और दुनिया भर में भाषिक और साहित्यिक रूप से हिंदी का प्रचार - प्रसार जारी है।

बैठक के दौरान राजभाषा संबंधी प्रमुख गतिविधियों की लघु फिल्म दिखाई गई जिसमें मुख्यालय सहित सभी मंडलों व कारखानों एवं अन्य यूनिटों को उचित स्थान दिया गया । उप मुख्य राजभाषा अधिकारी मुख्यालय मुकेशसैनी द्वारा समिति सदस्यों को बैठक में सहभागिता के लिए धन्यवाद ज्ञापित करते हुए अध्यक्ष महोदय की अनुमति से बैठक का समापन किया गया ।

संक्षिप्त समाचार

अरुण जेटली की 72वीं जयंती मनाई गई

- **केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव सहित उनकी पत्नी और बेटे के साथ भाजपा के हजारों कार्यकर्ताओं ने अरुण जेटली को श्रद्धांजलि दी**

नई दिल्ली/एजेंसी। पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री स्वर्गीय अरुण अरुण जेटली की 72वीं जयंती दिल्ली के जेटली पार्क, सिरीफोर्ट और अरुण जेटली स्टेडियम में मनाई गई । इसे मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत भारतीय जनता पार्टी के अन्य बड़े नेताओं ने उन्हें याद किया और श्रद्धांजलि दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने ट्वीट में लिखा कि अरुण जेटली ने देश के विकास के लिए लगातार काम किया। 72वी जयंती पर अरुण जेटली की पत्नी संगीता जीत ली और बेटे रोहण जेटली पूरे कार्यक्रम में शामिल रहे और केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव, दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, कमलजीत सहरावत, सांसद योगेन्द्र चंदोलिया, सांसद मनोज तिवारी, सांसद रामबीर सिंह बिधूड़ी, रमेश बिधूड़ी, सोम प्रकाश, अरुण खोसला, फगवाड़ा के पूर्व मेयर सभा में अरुण जेटली के राष्ट्र और समाज में महत्वपूर्ण योगदान को याद किया गया। एक शानदार कानूनी दिमाग, एक कुशल सांसद और एक दूरदर्शी नेता के रूप में, उन्होंने अत्यंत समर्पण और ईमानदारी के साथ देश की सेवा की।अरुण जेटली का जन्म 28 दिसंबर 1952 को दिल्ली में हुआ था। वे भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता, भारत सरकार के पूर्व वित्त मंत्री और एक प्रभावशाली सांसद के रूप में जाने जाते थे। जेटली का योगदान भारतीय राजनीति, अर्थव्यवस्था, और कानूनी व्यवस्था में अभूतपूर्व रहा।अरुण जेटली दिल्ली विश्वविद्यालय के दिनों से ही छात्र राजनीति में एक्टिव हो गए थे। छात्र जीवन में जेटली आरएसएस की स्टूडेंट विंग अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (ब्ब्ढ्ढक्क) के सदस्य थे। अरुण जेटली ने देशभर में प्रसिद्ध श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स के छात्र थे, वे इस कॉलेज के छात्रसंघ अध्यक्ष भी रहे। इसके बाद अरुण जेटली ने वकालत की पढ़ाई की। जेटली 1974 में एबीवीपी के प्रत्याशी के तौर पर डीयू के अध्यक्ष चुने गए।12 सितंबर 2019 को दिल्ली के फिरोज़ शाह कोटला स्टेडियम का नाम बदल कर अरुण जेटली के नाम पर रखा गया। दिल्ली का ऐतिहासिक फिरोज शाह कोटला स्टेडियम अब अरुण जेटली स्टेडिमय के नाम से जाना जाता हैं।

के. ए. पॉल ने डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर जताया गहरा शोक

- **भारत ने अपना सबसे महान नेता खो दिया है : के. ए. पॉल**
- **डॉ. मनमोहन सिंह सिर्फ एक नेता नहीं, बल्कि सभी भारतीयों के लिए एक आदर्श थे : के. ए. पॉल**

नई दिल्ली/एजेंसी। विश्व प्रसिद्ध शांति दूत और प्रचारक डॉ. के. ए. पॉल ने भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन को देश के लिए एक भावनात्मक और अपूरणीय क्षति बताया। अपने संदेश में उन्होंने कहा, डॉ. मनमोहन सिंह सिर्फ एक नेता नहीं थे; वे हर भारतीय के लिए प्रेरणा और आदर्श थे। डॉ. पॉल ने कहा कि डॉ. सिंह के कार्यकाल में भारत ने एक नई दिशा पाई। उन्होंने 1991 की आर्थिक संकट की स्थिति को याद करते हुए कहा, जब भारत डूबने के कगार पर था, तब प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव का डॉ. सिंह को वित्त मंत्री नियुक्त करना देश के इतिहास का सबसे सही निर्णय था। डॉ. सिंह ने न केवल अर्थव्यवस्था को संभाला, बल्कि भारत को वैश्विक मंच पर मजबूत पहचान दी। उन्होंने डॉ. सिंह की वित्तीय नीतियों को सराहते हुए कहा, उनके नेतृत्व में भारत की वार्षिक उधारी सिर्फ ?1 लाख करोड़ थी। आज की तुलना में यह उनकी कुशलता और दूरदर्शिता को दिखाता है। डॉ. पॉल ने अपने व्यक्तिगत अनुभव भी साझा किए। उन्होंने 2007 की एक घटना को याद करते हुए कहा, डॉ. सिंह की सादगी और विनम्रता का कोई मुकाबला नहीं। उस दिन उन्होंने गृह मंत्री सुशील कुमार शिंदे के साथ बाहर खड़े होकर मेरी मेजबानी की। यह उनकी शख्सियत को बयां करता है। वे जितने बड़े नेता थे, उतने ही महान इंसान भी थे।उन्होंने उन आरोपों को भी खारिज किया जो डॉ. सिंह को पार्टी का कठपुतली बताते थे। डॉ. पॉल ने स्पष्ट रूप से कहा, डॉ. सिंह ने हमेशा देश के हित में स्वतंत्र और साहसिक फैसले लिए। वे सच्चे राष्ट्र निर्माता थे। अंतिम संस्कार में शामिल न हो पाने का अफसोस जताते हुए उन्होंने भारतीय मीडिया और जनता से अपील की कि डॉ. सिंह की विरासत को हमेशा गर्व और सम्मान के साथ याद किया जाए। डॉ. सिंह सिर्फ एक प्रधानमंत्री नहीं थे; वे एक ऐसे नेता थे जिन्होंने भारत की आत्मा को पहचाना और उसे उन्नति की राह पर ले गए। उन्होंने कहा कि आज हम सबने एक मार्गदर्शक, एक शांतिदूत और एक सच्चे अर्थशास्त्री को खो दिया। उनका योगदान अमर है, और उनका नाम इतिहास के पन्नों में हमेशा चमकेगा।

खराब मौसम ने बढ़ाईं यात्रियों की मुश्किलें, श्रीनगर एयरपोर्ट की सभी उड़ानें रद्द की गईं

श्रीनगर/एजेंसी। जम्मू-कश्मीर में खराब मौसम ने यात्रियों की मुश्किलों को बढ़ा दिया है. खराम मौसम की वजह से श्रीनगर एयरपोर्ट पर सभी उड़ानें रद्द कर दी गई हैं. ऐसे में उन लोगों से अनुरोध किया जाता है कि अगर वे जम्मू-कश्मीर जाने का प्लान बना रहे हैं, तो फ्लाइट के संबंध में जानकारी जरूरी जुटा. ऐसा करने से उनको फ्लाइट कैंसल होने की वजह से होने वाली परेशानियों से दो चार नहीं होना पड़ेगा. बता दें कि जम्मू-कश्मीर के कई इलाकों में शुक्रवार को सीजन की बर्फबारी पड़ी, जिसके चलते वैली के कई इलाकों में पारा शून्य से नीचे चला गया है.

श्रीनगर एयरपोर्ट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस बारे में जानकारी दी. श्रीनगर एयरपोर्ट ने पोस्ट किया, खराब मौसम की वजह से श्रीनगर एयरपोर्ट पर सभी उड़ानें रद्द कर दी गई हैं.

साथ ही श्रीनगर एयरपोर्ट ने यात्रियों को एक जरूरी सलाह भी दी है. श्रीनगर एयरपोर्ट ने कहा, यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे अपडेट के लिए अपनी एयरलाइन से संपर्क करें. श्रीनगर एयरपोर्ट ने यात्रियों को हुई इस असुविधा के लिए खेद भी जताया है.

बर्फबारी की वजह से जम्मू-कश्मीर में जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया. यहां के कई इलाकों में शुक्रवार को शुरू हुई बर्फबारी शनिवार को भी जारी है. पीर पंजाल सुरंग और श्रीनगर शहर के बीच जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर सैकड़ों वाहन फंसे रहे. सड×कों पर बर्फ की मोटी चादर जम गई है. सड़कों पर कई गाडिय़ां फंसी हुई हैं. स्थानीय प्रशासन सड़कों पर जमी बर्फ को हटाने की कोशिश में लगा हुआ है. बारामुल्ला, कुपवाड़ा, बडगाम, गांदरबल, बांदीपोरा, कुलगाम, पुलवामा, अनंतनाग और शोपियां में भारी बर्फबारी के कारण सभी सड़कें बंद हो गईं.

संक्षिप्त खबरें

बारिश रबी फसलों के लिए है लाभदायक: शैलेंद्र

यमुनानगर। दो दिन से रुक-रुक कर हो रही बारिश से जहां एक और आम जीवन अस्त व्यस्त हो गया है। वहीं कृषि विशेषज्ञों के अनुसार रबी की फसलों को इस बारिश का विशेष कर गेहूं की फसल को इसका अधिक लाभ मिलेगा और उत्पादन में भी बढ़ौतरी होगी। यह बारिश गेहूं की फसल के लिए रामबाण साबित हुई है। शनिवार को अधिक जानकारी देते हुए कृषि खंड अधिकारी शैलेंद्र कुमार ने बताया कि इस समय रबी की फसल को लेकर बारिश के होने का इंतजार था। दो दिन से बारिश होने और तापमान में गिरावट आने से विशेष कर गेहूं की फसल के लिए यह बारिश लाभदायक होगी। उन्होंने बताया कि यूरिया जैसे जो पोषक तत्व बारिश से पहले फसलों के लिए डाले जाते हैं। उससे भूमि और वातावरण में नमी आने से और फसल को दूसरी बार पानी मिलने से अधिक लाभ होगा। इसमें गेहूं की फसल का उत्पादन भी बढ़ेगा। उन्होंने बताया कि अगर फसल की बुवाई के बाद अगर तापमान में कमी नहीं आती है तो फसल समय से पहले पकती है जिसमें उत्पादन भी कम होता है। गेहूं की कई किस्में ऐसी होती है जिसमें समय से पहले पीलापन भी आ जाता है।

ट्रक और बस में टक्कर, 24 यात्री घायल

दमोह। जिले के हटा तहसील अंतर्गत जिले के हटा-पन्ना स्टेट हाईवे पर शनिवार सुबह एक बस ओर ट्रक में आमने सामने की भीषण टक्कर हो गई। हादसे में बस सवार करीब 24 लोग घायल हो गए। घायलों में कुछ को हटा स्वास्थ्य केंद्र और कुछ घायलों को सिमरिया के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां घायलों का ईलाज जारी है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई हैं। शनिवार सुबह करीब नौ बजे थाना गैसाबाद के पास व्यारमा नदी के पुल पर बस क्रमांक एमपी 34 पी 241 जो कि सागर से पन्ना की तरफ जा रही थी। इस दौरान सामने से आ रहे ट्रक क्रमांक एम पी 33 एच 2852 जो कि सीमेंट लोड कर रीवा से सागर की तरफ जा रहा था।

नील गाय को बचाने के चक्कर में अनियंत्रित होकर पलटी कार, दो मरे

पाली। नाना थानांतर्गत दूदनी के पास शुक्रवार रात एक कार नील गाय को बचाने के कारण अनियंत्रित होकर पलट गई, जिससे दो लोगों की मौत हो गई। वहीं एक व्यक्ति गंभीर घायल हो गया। घटना की सूचना मिलने पर नाणा थानाधिकारी रतनसिंह मौके पर पहुंचे और सभी घायलों को सुमेरपुर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां प्रीतेन सिंह (32) पुत्र हमीर सिंह निवासी पाली, जीतेंद्र सिंह (30) पिता गुलाब सिंह निवासी टिक्की गांव जालोर को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। वही विनोद राव निवासी पाली एयर बैग खुलने से गंभीर रूप से घायल हो गया।

रेत से भरा डंपर अनियंत्रित होकर पलटा

मंडला। मंडला जिले के बम्हनी थाना क्षेत्र में कातामालगांव के पास शुक्रवार देर रात एक रेत से भरा डंपर अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गया। टक्कर होने के बाद डंपर पलट गया। हादसे में ड्राइवर और कंडक्टर की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। जानकारी अनुसार घटना शुक्रवार देर रात करीब एक बजे ग्राम कातामाल की है। बम्हनी थाना प्रभारी ने बताया कि डंपर क्रमांक एमपी 49 जीडी 9087 ग्राम काता माल से रेत लोड कर नरसिंहपुर जाने के लिए निकला था।

कृष्णा डायग्नोस्टिक लैब की 5वीं वर्षगांठ पर निःशुल्क रक्त जांच शिविर

ऋषिकेश। कृष्णा डायग्नोस्टिक लैब ऋषिकेश की 5वीं वर्षगांठ के अवसर पर शनिवार को निःशुल्क रक्त जांच शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में नीरजा गोयल, नुपुर गोयल, डॉ. काशमी शर्मा एमडी पैथोलॉजी, जगदम्बा प्रसाद रायल फाउंडर कृष्णा डायग्नोसिस लैब, डॉ. देव आहूजा ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर जगदम्बा प्रसाद रयाल ने बताया कि इस निशुल्क रक्त जांच शिविर में लगभग 200 से अधिक लोगों ने प्राप्त किया।

गौवंश का कटान करने वाला गौकश पुलिस मुठभेड़ में घायल, पुलिस ने दबोचा

गाजियाबाद। थाना टीलामोड पुलिस ने शुक्रवार की रात मुठभेड़ के दौरान दिल्ली के रहने वाले एक गौकश को गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ के दौरान पुलिस की ओर से चली गोली से यह गौकश घायल हो गया। पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि उसने पिछले दिनों काका फार्म हाउस के पास गौवंश का कटान किया था, जिसमें उसके साथी भी शामिल थे। पुलिस ने उसके कब्जे से एक तमंचा 315 बोर, एक खोखा कारतूस व एक जिंदा कारतूस, पशु काटने में प्रयुक्त उपकरण व बिना नंबर की मोटरसाइकिल बरामद किया है।

दो ट्रकों की भिडंत में दोनों ड्राइवरों की मौत

कटनी। मध्य प्रदेश में रफ्तार का कहर थम नहीं ले रहा है। आए दिन तेज रफ्तार वाहनों के अनियंत्रित होने से सड़क हादसों में लोग असमय अपनी जान गवां रहे है। ताजा मामला कटनी जिले का है, जहां दो ट्रकों में सीधी भिड़ंत हो गई। इस दर्दनाक हादसे में दोनों वाहन के चालकों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वहीं एक क्लीनर गंभीर रूप से घायल है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची रीठी पुलिस ने ट्रकों में फंसे शव और घायलों को मशक्कत के बाद निकाला। इसके बाद घायलों को रीठी अस्पताल भेजा गया है। फिलहाल पुलिस मामला दर्ज कर जांच में जुट गई है।

सीएम योगी के महत्वाकांक्षी ललितपुर फार्मा पार्क के निर्माण ने पकड़ी रफ्तार

यूपी को फार्मा इंडस्ट्री हब बनाने की ओर अग्रसर योगी सरकार

लखनऊ। एजेंसी

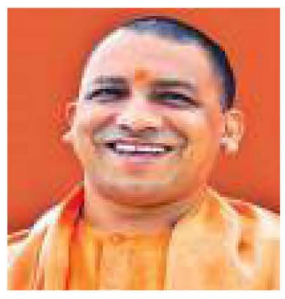

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में सरकार तेजी से आगे बढ़ रही है। इस क्रम में बुंदेलखंड क्षेत्र के ललितपुर जिले में बल्क ड्रग फार्मा पार्क विकसित करने की प्रक्रिया ने रफ्तार पकड़ ली है। यह पार्क देश की फार्मा जरूरतों को पूरा करने और भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। फार्मा पार्क के लिए सैदपुर ग्राम पंचायत में पशुपालन विभाग के स्वामित्व वाली 2000 एकड़ भूमि में से करीब 1500 एकड़ भूमि को राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) को निःशुल्क हस्तानान्तरित किया है। भूमि का हस्तांतरण होने के बाद अब तेजी के साथ परियोजना अगले चरण में प्रवेश करेगी। इस भूमि पर दवा कंपनियां फैक्ट्रियां स्थापित करके यहां दवाइयों का निर्माण करेंगी। इस भूमि पर फार्मा पार्क विकसित करने के लिए वर्ल्ड क्लास कॉमन इंफ्रास्ट्रक्चर फैसिलिटीज (सीआईएफ) तैयार की जाएगी। यह परियोजना न केवल ललितपुर बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास के लिए मील का पत्थर साबित होगी।

फार्मा पार्क को पर्यावरण संरक्षण के मानकों का पालन करते हुए विकसित किया जाएगा। इसमें केमिकल डिस्चार्ज के निस्तारण के लिए जीरो लिक्विड डिस्चार्ज जैसी स्टैंडर्ड प्रैक्टिस को अपनाया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का स्पष्ट विजन है कि उत्तर प्रदेश को न केवल औद्योगिक रूप से विकसित किया जाए।

उच्च गुणवत्ता वाली, किफायती दवाओं के उत्पादन पर योगी सरकार का जोर

ललितपुर में प्रस्तावित बल्क ड्रग फार्मा पार्क राज्य और देश के लिए फार्मास्यूटिकल उत्पादों के निर्माण में एक पावर हाउस के रूप में कार्य करेगा। इस परियोजना का उद्देश्य उच्च गुणवत्ता वाली, किफायती दवाओं का उत्पादन करना है। बल्क ड्रग प्रोडक्शन के क्षेत्र में यह पार्क भारत की आत्मनिर्भरता को मजबूती प्रदान करेगा। ललितपुर बल्क ड्रग फार्मा पार्क पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मोड पर विकसित किया जाएगा। इस परियोजना के तहत ग्लोबल फार्मा सेक्टर के लीडर्स को आकर्षित करने के लिए एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट (ईओआई) पहले ही जारी कर दी गई है।

फार्मा पार्क में होगा वर्ल्ड क्लास बुनियादी ढांचा और बेहतर कनेक्टिविटी

फार्मा पार्क को सड़क और रेल नेटवर्क के माध्यम से विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे और उत्कृष्ट कनेक्टिविटी से जोड़ा जा रहा है। इसके तहत लॉजिस्टिक्स की सुविधाजनक आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए उच्च गुणवत्ता वाली सड़कें और रेल लिंक तैयार किए जाएंगे। इस परियोजना के तहत ललितपुर और आसपास के क्षेत्रों में औद्योगिक टाउनशिप, सेक्टोरल स्पेसिफिक इंडस्ट्रियल पार्क्स और अन्य औद्योगिक क्षेत्रों का विकास होगा। इसके साथ ही, परियोजना के माध्यम से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से हजारों रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

भाजपा हमेशा महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए अवसर देती है : अरुण

रायपुर। एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी ने हमेशा नारी सशक्तिकरण के लिए कार्य किया है। पार्टी चाहे सत्ता में हो या संगठन में। इस बात का ध्यान मंडल अध्यक्षों के निर्वाचन में भी रखा गया है। और अब जिला अध्यक्षों में भी महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित होगी। पार्टी इस मामले में गंभीर है। भाजपा हमेशा महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए अवसर देती है। मंडल अध्यक्षों में भी दिया है और अब जिला अध्यक्षों में भी देंगे।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने लोरमी विधानसभा क्षेत्र के दौरा कार्यक्रम पर कहा कि, विभिन्न क्षेत्रों में नियमित रूप से संपर्क में जाना हो रहा है। आज मेरे विधानसभा क्षेत्र में जा रहा हूं। उन्होंने कहा कि, पिछले दिनों खुड़िया में जाना हुआ था। आज अचानकमार छपरवा क्षेत्र में जाना होगा। लोरमी विधानसभा क्षेत्र में लगातार विकास कार्य हो रहे हैं। साय सरकार में आदिवासी भाई और बहनों के जीवन में परिवर्तन लाने का काम हो रहा है। जिला अध्यक्षों के चुनाव पर उपमुख्यमंत्री साव ने कहा कि, अभी भारतीय जनता पार्टी के 477 मंडल अध्यक्ष बने हैं। इस दौरान दो चार मंडल अध्यक्षों में ही कुछ सामान्य बात हुई है। राजनीति में सबकी महत्वाकांक्षाएं होती है। वहीं जिला अध्यक्षों के चुनाव के लिए पार्टी के चुनाव अधिकारी, पर्यवेक्षक सबसे रायशुमारी करके आए हैं। उनकी रिपोर्ट प्रदेश प्रभारी और पर्यवेक्षक के समक्ष प्रस्तुत हुए। उस आधार पर पार्टी ने पैनल तैयार किया है। अब उसे केंद्रीय नेतृत्व को भेजा गया है। इस प्रकार सवार्नुमति से जिला अध्यक्षों का भी चुनाव होगा।

सीरिया में अपदस्थ राष्ट्रपति असद के समर्थकों की धरपकड़ तेज

दमिश्क। एजेंसी

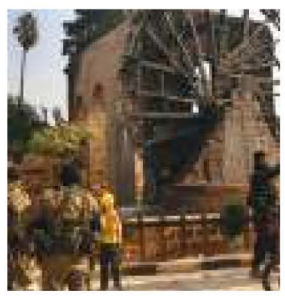

सीरिया से भागकर रूस में शरण लेने वाले अपदस्थ राष्ट्रपति बशर अल-असद के समर्थक नेताओं और अधिकारियों की धरपकड़ का अभियान आज शुरू किया गया। सीरिया में नियंत्रण पा चुके हयात तहरीर अल-शाम के सदस्य इस अभियान का नेतृत्व कर रहे हैं। इन लोगों के हाथ में सीरिया के सैन्य विभाग की कमान है। इस अभियान के दौरान झड़पों के बाद कई लोगों को गिरफ्तार किया गया। अरबी न्यूज वेबसाइट '963+' ने सूत्रों के हवाले से कहा कि सैन्य विभाग ने अपदस्थ राष्ट्रपति के समर्थकों और अधिकारियों को पकड़ने के लिए आज देश के लताकिया गवर्नरेट में व्यापक अभियान शुरू किया। इस दौरान लताकिया के मस्तराखू गांव में इन लोगों के साथ झड़पें हुई हैं। इसके बाद लताकिया के ग्रामीण इलाके में स्थित हमीमिम बेस के आसपास चौकियां स्थापित की गईं। इस बेस के आसापस रूसी सुरक्षाबल पहले से मौजूद हैं।

सैन्य विभाग ने होम्स, टार्टस और सफिता में अपना ढांचा मजबूत किया है। उत्तर-पश्चिमी हामा ग्रामीण इलाके के हलफया शहर से अपदस्थ शासन के दर्जनों समर्थकों को गिरफ्तार किया है। देश के पूर्व में स्थित दीर एज-जोर के ग्रामीण इलाके में सीरियाई-इराकी सीमा पर अल्बुकामल शहर में सैन्य विभाग के लड़ाकों की ईरान समर्थक 47वीं रेजिमेंट के आतंकियों के बीच झड़पें हुई हैं। इसमें दो आतंकी घायल हो गए। छह को गिरफ्तार कर लिया गया। इस दौरान मशीनगन और गोला-बारूद जब्त किया गया। अल्बुकमल देहात के सुकारिया शहर में ईरान समर्थक इस रेजिमेंट का एक हथियार डिपो भी मिला है।

इस अभियान के दौरान दीर एज-जोर के पूर्वी ग्रामीण इलाके के अल-अशरा शहर में ईरान समर्थक गुटों के चार सदस्यों को भी गिरफ्तार किया गया। इनमें अंतर अल-अहमद उर्फ अबू अल-गैदा भी है। डेर एज-जोर के पूर्वी ग्रामीण इलाके के अल-मयादीन शहर से कई लोगों को गिरफ्तार किया गया।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में नौ आतंकवादी मारे गए

इस्लामाबाद। एजेंसी

खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के पहाड़ी क्षेत्र उत्तर और दक्षिण वजीरिस्तान में सुरक्षाबलों ने रात को मुठभेड़ में नौ आतंकवादियों को मार गिराया। सात आतंकवादियों के घायल होने का अंदेशा जताया गया है। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत का पहाड़ी क्षेत्र मनरा आतंकवादियों का सबसे बड़ा गढ़ है। सुरक्षा बलों ने यहां आतंकवादियों के छुपने के महत्वपूर्ण स्थान को विस्फोट कर उड़ा दिया। डॉन समाचार पत्र की खबर में सूत्रों के हवाले से कहा गया कि यह मुठभेड़ मीर अली तहसील के बरहो खेल इलाके में हुई। सुरक्षाबलों को खुफिया इनपुट मिला था कि लगभग 25 आतंकवादी छुपे हुए हैं। सुरक्षाबलों ने इस स्थान को घेरकर उन्हें ललकारा। इसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। मारे गए आतंकवादियों में कमांडर अब्दुल हक और मोईन भी हैं। घटनास्थल से हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है। इस मुठभेड़ के बारे में पूछने पर सेना की मीडिया शाखा इंटर सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने कहा कि आधिकारिक बयान तैयार किया जा रहा है। सूत्रों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने गुरुवार रात दक्षिण वजीरिस्तान की बीरमल तहसील में किए गए दो हमलों में आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाया। रात करीब 10 बजे किए गए हमलों में मनरा इलाके में आतंकवादियों के एक ठिकाने (घर) को विस्फोट कर उड़ा दिया गया। मनरा में प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आतंकवादी घूमते रहते हैं।

मनमोहन सिंह का स्मारक उनके परिवार की इच्छा के अनुरूप बने : मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने शनिवार को कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के परिवार की इच्छा के अनुरूप ही उनका स्मारक बनाया जाना चाहिए। मायावती ने शनिवार को एक्स पोस्ट में कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. सिंह के परिवार की दिली इच्छा के अनुरूप ही उनका स्मारक बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को इस मामले में उनके परिवार एवं सिख समाज की भावनाओं का सम्मान करना चाहिए। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने शुक्रवार को पूर्व प्रधानमंत्री सिंह के सम्मान में एक स्मारक के लिए स्थान आवंटित करने का निर्णय लिया। केंद्र ने इस निर्णय से डॉ. सिंह के परिवार और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को अवगत भी करा दिया है।

जमात-ए-इस्लामी का फासीवाद विरोधी दलों से एक होने का आह्वान

ढाका। बांग्लादेश जमात-ए-इस्लामी के अमीर डॉ. शफीकुर रहमान ने मुक्ति संग्राम की भावना के साथ आजादी के लिए लड़ रहे युवाओं की आकांक्षाओं से प्रेरित एक ₹नया बांग्लादेश₹ बनाने के लिए सभी फासीवाद विरोधी राजनीतिक दलों के बीच एकता का आह्वान किया। उन्होंने यह तकरीर राजधानी के सुहरावर्दी उद्यान में आयोजित खिलाफत मजलिश के 12वें जनरल काउंसिल सत्र में की। ढाका ट्रिब्यून समाचार पत्र के अनुसार, डॉ. रहमान ने बांग्लादेश में लोकतंत्र की स्थापना के लिए सामूहिक कार्रवाई के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा बांग्लादेश 2024 के मुक्ति संग्राम में भाग लेने वाले युवाओं की आकांक्षाओं के अनुरूप आगे बढ़ेगा। नए बांग्लादेश में सभी फासीवाद विरोधी राजनीतिक दल एकजुट होंगे। जमात प्रमुख ने अफसोस जताते हुए कहा, ₹पिछले डेढ़ दशक में मुल्क के इस्लामी विद्वानों को अभूतपूर्व स्तर पर अन्याय और प्रतिशोध का शिकार होना पड़ा है।

गहलोत ने की डॉ. मनमोहन सिंह का स्मारक बनाने की मांग

जयपुर। एजेंसी

राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोशल मीडिया के जरिए पीएम नरेन्द्र मोदी से मनमोहन सिंह के लिए खास मांग की है। पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत ने डॉ. मनमोहन सिंह का स्मारक बनाने की मांग की है। उन्होंने लिखा कि मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से अपील करता हूं कि सभी राजनीतिक दलों में सम्मानित डॉ मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार तथा स्मारक के लिए विशेष जगह आवंटित कर यादगार स्मारक बनाएं जिससे आने वाली युवा पीढ़ी उनके व्यक्तित्व के बारे में जान सके एवं उनसे प्रेरणा ले सके। डॉ. मनमोहन सिंह का देश के विकास में अद्वितीय योगदान रहा। देश का सबसे बड़ा आर्थिक सुधार आर्थिक उदारीकरण उनके कार्यकाल में हुआ जिससे भारत एक आर्थिक शक्ति बना है। डॉक्टर साहब की बदौलत भारत 2008 की वैश्विक मंदी से बचा, जिससे भारत की अर्थव्यवस्था सुरक्षित और करोड़ों लोगों की आजीविका सुरक्षित रही।

उनके नेतृत्व में भारत-अमेरिका के बीच सिविल परमाणु करार हुआ जिसका लाभ आने वाले लम्बे समय तक देश को मिलता रहेगा। वे भारत के पहले और अभी तक के एकमात्र सिख समुदाय से आने वाले प्रधानमंत्री थे। पूरी दुनिया में डॉ मनमोहन सिंह का सम्मान था।

प्राचीन स्थलों के पर्यटन विकास हेतु राज्य सरकार कटिबद्ध: जयवीर सिंह

लखनऊ। एजेंसी

जनपद मैनपुरी में लाखों श्रद्धालुओं के आस्था का केन्द्र सत्य कैलाश आश्रम और तुलसीदास मंदिर के सौंदर्यीकरण व पर्यटक सुविधाओं के विकास के लिए लगभग 2.61 करोड़ रुपए की धनराशि स्वीकृत की गयी है, जिसमें से 1.65 करोड़ रुपए की धनराशि जारी कर दी गई है। इन योजनाओं के पूरा होने से श्रद्धालुओं से काफी सहूलियत होगी। राज्य सरकार प्राचीन धार्मिक स्थलों को विकसित कर-के श्रद्धालुओं को आकृषित करने का संकल्प लिया है। इससे स्थानीय लोगों को छोटे-मोटे रोजगार प्राप्त होंगें। यह जानकारी प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री ने बताया कि मैनपुरी जिले के कुरावली विकासखंड स्थित ग्राम नौरंगपुर स्थित ब्रह्म विद्यापीठ श्री सत्य कैलाश आश्रम की स्थापना श्रीमत्स्यास्वामी धनराज गिरि महाराज ने की थी। क्षेत्र का सबसे पुराना आश्रम अपने वेदांत और प्राचीन ज्ञान के लिए प्रसिद्ध है। यह शंकराचार्य की धार्मिक पीठ है। यह एक सिद्ध पीठ की तरह है, जहां वेद तथा संन्यास से संबंधित ज्ञान की शिक्षा दी जाती है। यह स्थल बड़ी संख्या में पर्यटकों को आकर्षित करता है। योजना अंतर्गत लगभग 1.38 करोड़ रुपए से पर्यटन विकास किया जाएगा। इसमें 90 लाख रुपए जारी किए जा चुके हैं। यहां पर्यटकों के लिए हॉल, शौचालय, गेट, बेंच, साइनेज सहित कई और कार्य कराए जाएंगे।

जयवीर सिंह ने बताया कि मैनपुरी जिले में ग्राम अड्डूपुर स्थित तुलसीदास मंदिर प्रसिद्ध देवालयों में से एक है। यहां प्रतिदिन रामायण का पाठ होता है। श्रावण मास एवं शिवरात्रि के अवसर पर भव्य मेले का आयोजन किया जाता है। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। पर्यटक सुविधा विकसित करने के लिए लगभग 1.23 करोड़ रुपए स्वीकृत हुए हैं, जिसमें 75 लाख रुपए जारी किए जा चुके हैं।

दुकानदार ने पर्यावरण संरक्षण के लिए की एक अनूठी पहल

- 20 रुपए में चाय के साथ चॉकलेट का लें स्वाद
- दुकानदार ने पर्यावरण संरक्षण के लिए एक अनुठी पहल की है

प्रयागराज। एजेंसी

पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से महाकुंभ–2025 पूर्ण रूप से पर्यावरण के अनुकूल हो, इसके लिए संतों, महंतों, आचार्यों, महामण्डलेश्वरों व शंकराचार्यो के साथ ही कुंभ क्षेत्र के दुकानदार भी कटिबद्ध हैं। महाकुंभ में काशी से पधारे एक दुकानदार ने पर्यावरण संरक्षण के लिए एक अनूठी पहल की है। इनकी पहल सभी श्रद्धालुओं को खूब भा रहा है। यह दुकान पर्यावरण के साथ स्वच्छता का भी संदेश दे रहा है। कुंभ क्षेत्र को कूड़ा–कचरा से बचाने के लिए इन्होंने 'चाय पियो-कप खा जाओ' का एक अनूखा व नया मॉडल विकसित की है। महाकुंभ क्षेत्र के सेक्टर-19 में शंकराचार्य चौराहे पर इस चाय दुकान की खूब चर्चा हो रही है।

दुकानदार पुनीत दुबे बताते हैं कि 'चाय पियो, कप खा जाओ' पर्यावरण संरक्षण के साथ ही स्वच्छता का सबसे उत्तम साधन है। श्रद्धालुओं को बनारसी चाय की चुश्की व कप का चॉकलेटी स्वाद खूब भा रहा है। पर्यावरण संरक्षण प्रेमी भी इस पहल की खूब प्रशंसा कर रहे हैं। बाबा भोले की नगरी काशी के पांडेयपुर निवासी पुनीत दुबे ने शंकरार्य चौराहे पर 'द टेस्ट ऑफ बनारस' के नाम से चाय एवं जलपान की दुकान खोली है। इस दुकान पर कुंभ क्षेत्र के श्रद्धालु जहां सुबह-सुबह बनारसी कचौड़ी, पुड़ी व सब्जी खा रहे हैं,वहीं चाय की चुश्की के साथ ही चॉकलेटी कप का स्वाद भी ले रहे हैं। यह पर्यावरण संरक्षण के लिए चाय की कप का ऐसा मॉडल लेकर आए हैं। जिसे चाय का स्वाद लेने के बाद उसे आप खा सकते हैं। वह जहां पर्यावरण संरक्षण का संदेश दे रहे हैं, वहीं मेला क्षेत्र को कूड़ा व कचरा से बचा भी रहे हैं।

तीन अलग-अलग स्वाद के हैं चॉकलेटी कप

दुकानदार पुनीत दुबे ने बताया कि वाराणसी शहर के एक व्यवसायी ने कोन के माध्यम से चॉकलेट, इलायची एवं वनीला फ्लेवर में यह कप तैयार किया है। इसकी आकृति मिट्टी की कुल्हड़ जैसी है, मानो कुल्हड़ में चाय पी रहे हो। चाय की चुश्की ले रहे डॉ रणजीत मिश्र ने कहा कि मजा आ गया। सिर्फ 20 रुपए में चाय व चॉकलेट दोनों का आनंद है। इस बनारसी चाय ने बनारस की याद ताजा कर दी। इस कुल्हड़ की आकृति वाले कप में चाय पीने का एक अलग ही आनन्द है। इस चाय में जवानी व बचपना दोनों की यादें समाहित है। चाय पीने से किशोरावास्था तो कप खाने के बाद बचपन की यादें ताजी हो जा रही हैं। उन्होंने बताया कि कप को खाने के बाद बचपन की चॉकलेट खाने का एक अलग ही मजा है। दुकानदार पुनीत दुबे ने बताया कि योगी सरकार की पॉलीथीन मुक्त अभियान और पर्यावरण के लिए यह चाय की कप अति उपयोगी साबित होगी। हालांकि चाय कीमत थोड़ी महंगी जरुर है, लेकिन भविष्य में यह अति उपयोगी साबित होगी। उन्होंने बताया कि महाकुम्भ मेला क्षेत्र में जब से मेरी दुकान खुली है, इसकी मांग लगातार बढ़ रही है। प्रशासनिक अधिकारी भी इसे खूब पसंद कर रहे हैं।

भगवान को भोग लगाते समय समर्पण का भाव होना चाहिए : कामता

धमतरी। एजेंसी

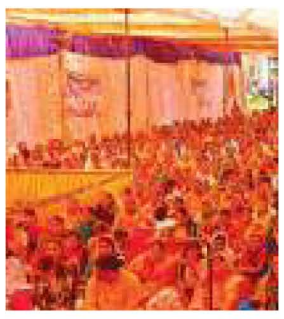

बालोद जिले के ग्राम चीचा में आयोजित हरिनाम एवं संकीर्तन कथा में कथावाचक कामता प्रसाद ने कहा कि आज के समय में दिखावा ज्यादा हो गया भगवान केवल भाव के प्यासे हैं उन्हें बाहरी आडंबर से कोई सरोकार नहीं है। भगवान भक्तों की सच्ची पुकार पर दौड़े चले आते हैं। उन्होंने महाभारत के दृष्टांत का उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि भगवान श्री कृष्ण को दुर्योधन द्वारा विभिन्न प्रकार के कई भोजन परोसने के लिए बुलाया था लेकिन भगवान श्री कृष्ण विदुर के यहां भोजन करने पहुंचे और भाजी खाकर ही उन्हें संतुष्टि हुई। भगवान भक्तों की भावना को देखते हैं जो भी भक्त उन्हें सच्चे मन से स्मरण करता है, उसकी मनोकामना पूर्ण करते हैं। नियमित रूप से प्रभु की आराधना करनी चाहिए। आगे कहा कि आज के बदलते हुए समय में परिवार में एक दूसरे के प्रति प्रेम का लोप हो रहा है जो कि उचित नहीं है। एक दूसरे के प्रति समर्पण और स्नेह का भाव होना चाहिए इससे घर में सुख समृद्धि आती है।

संक्षिप्त खबरें

सेमीफाइनल में पश्चिम बंगाल का सामना सर्विसेज से, मणिपुर से भिड़ेगा केरल

हैदराबाद। 78वीं राष्ट्रीय फुटबॉल चैंपियनशिप संतोष ट्रॉफी के सेमीफाइनल की लाइन-अप पूरी हो गई है। शुक्रवार को खेले गए क्वार्टरफाइनल मुकाबलों के बाद केरल, सर्विसेज, पश्चिम बंगाल और मणिपुर ने सेमीफाइनल में जगह बना ली है। रविवार, को सेमीफाइनल में, पश्चिम बंगाल का सामना सर्विसेज के साथ दोपहर ढाई बजे और उसके बाद शाम साढे सात बजे केरल का सामना मणिपुर से होगा। शुक्रवार को खेले गए पिछले दो क्वार्टर फाइनल में, फुटबॉल की दिग्गज टीम केरल ने जम्मू और कश्मीर के कड़े प्रतिरोध को पार करते हुए 1-0 से जीत हासिल की और 31वीं बार सेमीफाइनल में जगह बनाई, जबकि गत चैंपियन सर्विसेज ने मेघालय को 2-1 से हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया। दिन के पहले मैच में, केरल ने आखिरकार 73वें मिनट में नसीब रहमान के गोल के जरिए जम्मू और कश्मीर को 1-0 से हराया।

खो-खो विश्व कप के आयोजन में आर्थिक सहायता प्रदान करेगी उत्तर प्रदेश सरकार

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश सरकार खो-खो विश्व कप के आयोजन ने आर्थिक सहायता प्रदान करेगी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया (केकेएफआई) और विश्व कप आयोजन समिति के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल को मुलाकात के दौरान आर्थिक सहायता देने का आश्वासन दिया। खो-खो विश्व कप आयोजन समिति के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने शनिवार को एक आधिकारिक बयान में कहा कि उन्होंने गुरुवार को मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को 13 जनवरी 2025 को नई दिल्ली में खो खो वर्ल्ड कप के उद्घाटन समारोह के अवसर पर आमन्त्रित किया है। मित्तल ने नोएडा खेल स्टेडियम में खो-खो विश्व कप के मैचों के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदान की गई सुविधाओं के लिए उनका धन्यवाद किया और कहा इस उत्तर प्रदेश सरकार की खेल नीतियों की वजह से देश के सबसे बड़े राज्य में इस खेल को प्रोत्साहन मिला है जिससे इसके विकास की सम्भावनाएँ बढ़ गई हैं। उन्होंनें कहा कि खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया उतर प्रदेश में खो-खो को प्रमोट करने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार के साथ मिलकर काम करेगी जिससे खो खो को ओलिंपिक और एशियाई खेलों में शामिल करने का मार्ग प्रशस्त हो सके।

प्रीमियर लीग : इप्सविच को हराकर दूसरे स्थान पर पहुंचा आर्सेनल

लंदन। आर्सेनल शुक्रवार को घरेलू मैदान पर संघर्षरत इप्सविच टाउन को 1-0 से हराकर प्रीमियर लीग में दूसरे स्थान पर पहुंच गया। लिआंड्रो ट्रॉसार्ड के क्रॉस के बाद काई हैवर्टज का 23वें मिनट में किया गया टैप-इन, खेल का निर्णायक बिंदु साबित हुआ, जिसमें आर्सेनल ने शुरू से अंत तक अपना दबदबा बनाए रखा, इप्सविच ने खेल के दौरान केवल तीन शॉट ही लगाए, जिनमें से कोई भी निशाने पर नहीं लगा। हैवर्टज ने आर्सेनल की बढ़त को दोगुना करने का मौका गंवा दिया, जबकि गेब्रियल जीसस के एक गोल को ऑफसाइड के कारण रद्द किया गया। मैचों में ब्राइटन और ब्रेंटफोर्ड का मैच गोल रहित ड्रा रहा। लिवरपूल ने लीसेस्टर सिटी को घरेलू मैदान पर 3-1 से हराकर अपनी बढ़त मजबूत कर ली, जबकि फुलहम ने चेल्सी को 2-1 से हराकर स्टैमफोर्ड ब्रिज पर 45 वर्षों में अपनी पहली जीत दर्ज की।

भारत ने बनाए नौ विकेट पर 358 रन

मेलबर्न। एजेंसी

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के तहत खेली जा रही पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के चौथे मैच के तीसरे दिन का खेल खत्म हो गया है। खेल खत्म होने तक भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में नौ विकेट खोकर 358 रन बना लिए हैं। युवा ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी ने बेहतरीन शतक जड़ा है और वह फिलहाल 176 गेंदों में 10 चौके और एक छक्के की मदद से 105 रन बनाकर नाबाद हैं। उनके साथ मोहम्मद सिराज भी दो रन बनाकर नाबाद हैं। मेलबर्न में खेले जा रहे मैच में ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 474 रन बनाए थे। इस लिहाज से भारतीय टीम अभी भी 116 रन पीछे है। भारतीय टीम तीसरे दिन आज अपने कल के स्कोर 5 विकेट पर 164 रन से आगे खेलना शुरू किया। ऋषभ पंत और रवींद्र जडेजा ने संभलकर पारी को आगे बढ़ाया। हालांकि पंत टीम के 191 के कुल स्कोर पर बोलैंड का शिकार बने। पंत ने 28 रन बनाए। रवींद्र जडेजा भी 221 के कुल स्कोर पर नाथन लियोन का शिकार बने। जडेजा ने 17 रन बनाए।

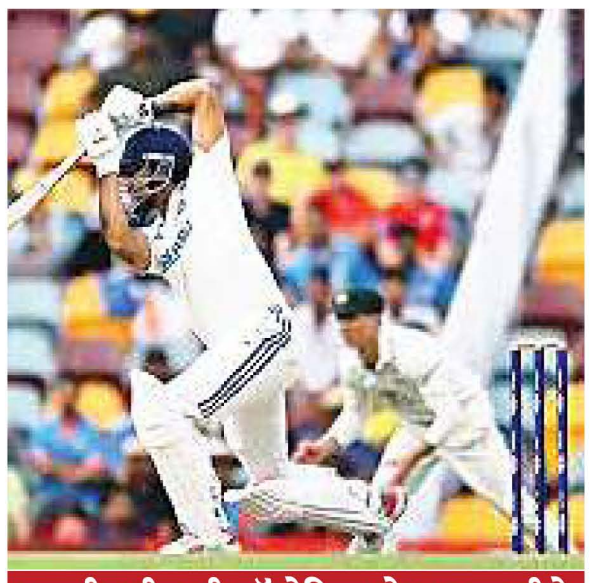

भारतीय टीम भी ऑस्ट्रेलिया से 116 रन पीछे

ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में बनाए 474 रन

स्मिथ का शतक इसके पहले ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 474 रन बनाए। स्टीव स्मिथ ने 140 रनों की शानदार शतकीय पारी खेली। स्मिथ के अलावा उस्मान ख्वाजा ने 57, मार्नस लाबुशेन ने 72 और सैम कोंस्टास ने 60 रन बनाए। इन चारों के अलावा पैट कमिंस (49) और एलेक्स कैरी (31) ने भी महत्वपूर्ण पारियां खेलीं। भारत की तरफ से जसप्रीत बुमराह ने 4, रवींद्र जडेजा ने 3, आकाशदीप ने 2 और वाशिंगटन सुंदर ने 1 विकेट लिया।

नीतीश रेड्डी और वाशिंगटन सुंदर ने दिलाई वापसी

221 रन पर 7 विकेट खोकर भारतीय टीम मुश्किल में फंस गई थी और ऐसा लग रहा था कि भारत फॉलोआन खेलेगा, लेकिन यहां से नीतीश कुमार रेड्डी और वाशिंगटन सुंदर ने बेहतरीन बल्लेबाजी कर भारत को न सिर्फ फॉलोआन से बचाया, बल्कि मैच में वापसी भी दिला दी। दोनों बल्लेबाजों ने मिलकर पहले पुरानी और फिर नई गेंद को भी संभलकर खेला और भारत के स्कोर को तीन सौ के पार पहुंचाया। नीतीश ने इस दौरान अपना अर्धशतक भी पूरा किया। दोनों खिलाड़ियों ने बेहतरीन बल्लेबाजी की। नीतीश के बाद सुंदर ने भी अर्धशतक जड़ दिया। हालांकि इसके बाद वह ऑउट हो गए। उन्होंने 162 गेंद में 50 रन बनाए। 350 के स्कोर पर भारत को नौवां झटका लगा। जसप्रीत बुमराह खाता खोले बिना आउट हो गए। इसके बाद नीतीश रेड्डी ने शानदार शतक जड़ दिया। उन्होंने 171 गेंद में चौका लगाकर शतक लगाया। यह उनके अंतरराष्ट्रीय करियर का पहला शतक है। इसके बाद खराब रोशनी की वजह से खेल रोका गया, लेकिन फिर बारिश शुरू हो गई जिसके चलते दिन का खेल खत्म होने की घोषणा कर दी गई। इससे पहले दूसरे दिन सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल 82 रन, कप्तान रोहित शर्मा तीन, केएल राहुल 24 रन, विराट कोहली 36 रन बनाकर आउट हुए थे। ऑस्ट्रेलिया के लिए पैट कमिंस ने 3, स्कॉट बोलैंड ने 3 और नाथन लियोन ने 2 विकेट लिए।

वाशिंगटन सुंदर ने गौतम और सहयोगी स्टाफ का जताया आभार

मेलबर्न। भारतीय क्रिकेटर वाशिंगटन सुंदर ने शनिवार को उनकी क्षमताओं पर अटूट विश्वास रखने के लिए मुख्य कोच गौतम गंभीर और सहयोगी स्टाफ के प्रति आभार व्यक्त किया है। सुंदर ने शनिवार को बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच के तीसरे दिन शानदार अर्धशतक लगाया। मेलबर्न में पोस्ट-डे प्रेस कॉन्फ्रेंस में सुंदर ने कहा ईमानदारी से कहूं तो मैं बहुत खुश हूं और गौती भाई 'गंभीर' और सभी सहयोगी स्टाफ ने मुझ पर विश्वास बनाए रखा और मुझे बताते रहे कि मैं क्या करने में सक्षम हूं, खासकर इस स्तर पर, इस प्रारूप में। यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है, इससे मुझे विश्वास होता है कि मैं इस प्रारूप में भारतीय टीम के लिए विशेष चीजें कर सकता हूं। अपने प्रदर्शन पर सुंदर ने कहा निश्चित रूप से एक अच्छा दिन था, अगर मैं कुछ और रन बनाता और अपना विकेट नहीं खोता तो और भी बेहतर होता, लेकिन हां, मुझे लगता है कि हम आज अच्छी स्थिति में हैं। सुंदर का महत्वपूर्ण अर्धशतक भारतीय टीम के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण में आया।

संसाधनों का अभाव जीवन के विकास में बाधक नहीं बनता : आरएन विश्वकर्मा

- खेल भी जीवन में कॅरियर के रूप में एक अच्छा अवसर : डॉ निरंजन

प्रयागराज। एजेंसी

झूंसी स्थित लाला मनमोहन दास इंटर कॉलेज में आयोजित दो दिवसीय वार्षिक खेलकूद समारोह के विजयी प्रतिभागियों को आज संयुक्त शिक्षा निदेशक आर एन विश्वकर्मा ने मेडल और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि संसाधनों का अभाव जीवन के विकास में कभी भी बाधक नहीं बनता।

जीवन में सफलता के लिए दूर दृष्टि, पक्का इरादा, लगन और अनुशासन होना आवश्यक है। दो दिवसीय खेलकूद समारोह में विद्यालय के कुल 638 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। जिनमें से 283 खिलाड़ियों ने स्थान प्राप्त किया। सर्वाधिक 125 अंक प्राप्त कर ब्लू हाउस विजेता रहा, जिसके 67 खिलाड़ियों ने विभिन्न खेलों में प्रतिभाग कर अंक प्राप्त किया। दूसरे स्थान पर 95 अंक हासिल कर रेड हाउस रहा, जिसके 54 खिलाड़ियों ने अंक प्राप्त किया। तीसरे स्थान पर 93 अंक हासिल कर येलो हाउस रहा। इसके कुल 49 खिलाड़ियों ने मेडल हासिल किया। चौथे स्थान पर ग्रीनहाउस रहा, जिसके 48 खिलाड़ियों ने कुल 81 अंक प्राप्त किया। चारों हाउस मिलकर ओवरऑल चैम्पियंस का किताब कक्षा 9 की छात्रा अनामिका निषाद को प्राप्त हुआ, जिसने 100, 200 मीटर दौड़ और डिस्कस थ्रो में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

सभी खिलाड़ियों को संयुक्त शिक्षा निदेशक आर एन विश्वकर्मा तथा प्रधानाचार्य डॉ निरंजन कुमार सिंह ने ट्रॉफी, मेडल और प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया। संयुक्त शिक्षा निदेशक ने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ शिक्षणेत्तर गतिविधियों में विद्यालय की उत्कृष्टता का यह प्रमाण है। प्रधानाचार्य ने कहा कि इस वर्ष 17 खिलाड़ियों ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने की बैलन डी'ओर पुरस्कार की आलोचना

दुबई। एजेंसी

दिग्गज पुर्तगाली फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने बैलन डी'ओर पुरस्कार की आलोचना की और कहा कि रियल मैड्रिड और ब्राजील के सुपरस्टार विनीसियस जूनियर सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी के रूप में नामित होने के हकदार थे। इससे पहले अक्टूबर में, मैनचेस्टर सिटी के मिडफील्डर रॉड्री को 2024 पुरुष बैलन डी'ओर विजेता नामित किया गया था, उन्होंने अपने क्लब को लगातार चौथी बार इंग्लिश प्रीमियर लीग का खिताब दिलाने में मदद की। क्लब फुटबॉल के अलावा, रॉड्री ने स्पेनिश राष्ट्रीय टीम के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जर्मनी में 2024 यूरो में उनकी जीत में योगदान दिया, जहां उन्होंने जुलाई में इंग्लैंड को 2-1 से हराया। उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया। बैलन डी'ओर पुरस्कार समारोह के एक महीने बाद, विनीसियस ने द बेस्ट फीफा मेन्स प्लेयर ऑफ द ईयर जीता और उन्हें दुबई ग्लोब सॉकर अवाड्र्स में प्लेयर ऑफ द ईयर का पुरस्कार भी दिया गया। पांच बार के बैलन डी'ओर विजेता रोनाल्डो को ग्लोब सॉकर अवाड्र्स में 'बेस्ट मिडिल ईस्ट प्लेयर' का पुरस्कार भी दिया गया।

ग्लोब सॉकर अवाड्र्स में रोनाल्डो ने कहा विनिसियस को 2024 का पुरुष बैलन डी'ओर पुरस्कार देने से मना करना अनुचित था। मेरी राय में, वह 'विनिसियस' गोल्डन बॉल बैलन डी ओर पुरस्कार जीतने के हकदार थे। मैं यहाँ सबके सामने कह रहा हूं। वे इसे रॉड्री को देते हैं, वह भी इसके हकदार थे, लेकिन उन्हें इसे विनिसियस को देना चाहिए था क्योंकि उन्होंने चैंपियंस लीग जीती और फाइनल में गोल किया।

महिला एशेज से बाहर हुईं ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर सोफी मोलिनक्स

मेलबर्न। एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया की ऑलराउंडर सोफी मोलिनक्स इंग्लैंड के खिलाफ 12 जनवरी से शुरू होने वाले वनडे मैचों के साथ मल्टी-फॉर्मेट महिला एशेज के दौरान एक्शन में नहीं दिखेंगी। मोलिनक्स, जिन्होंने इस महीने की शुरूआत में मेलबर्न रेनेगेड्स को महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) खिताब दिलाया था, घुटने की समस्या से जूझ रही थीं। हाल ही में भारत के साथ सीरीज के बाद उन्हें दर्द हुआ और पिछले हफ्ते न्यूजीलैंड में तीन मैचों की वनडे सीरीज से बाहर हो गईं। अब उन्हें घुटने की सर्जरी करानी होगी, जिससे वह कुछ समय के लिए आराम कर सकेंगी। टीम की फिजियोथेरेपिस्ट केट बीरवर्थ ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के हवाले से कहा सोफी मोलिनक्स अगले महीने अपने बाएं घुटने की सर्जरी करवाएंगी, जिसके बाद हम वापसी की अनुमानित तारीख के बारे में जानकारी देंगे। ऑस्ट्रेलिया की कप्तान एलिसा हीली भी घुटने की चोट से जूझ रही हैं, जिसके कारण उन्हें भारत के खिलाफ सीरीज से बाहर बैठना पड़ा। वह न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए लौटीं, लेकिन उन्होंने उन वनडे मैचों में विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी नहीं ली - उन्होंने यह जिम्मेदारी बेथ मूनी को सौंप दी।

पीकेएल 11: पटना पाइरेट्स ने दबंग दिल्ली को हराया

पुणे। एजेंसी

पटना पाइरेट्स ने शुक्रवार रात श्री शिव छत्रपति स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, बालेवाड़ी में प्रो कबड्डी लीग सीजन 11 में दबंग दिल्ली के 15 मैचों से चले आ रहे अपराजेय अभियान को रोकते हुए फाइनल में जगह बना ली। पटना ने दिल्ली को 32-28 से हराया। पाइरेट्स ने मैच की शुरूआत जोरदार तरीके से की और देवांक दलाल और अयान लोहचब की जोड़ी के दम पर दिल्ली पर हमला किया और 10 मिनट के बाद पांच अंकों की बढ़त ले ली।

मैट पर आखिरी खिलाड़ी तक पहुंचने के बाद, दिल्ली के सुपर-सब मोहित ने दूसरे चरण के शुरुआती चरण में अपनी टीम को मुकाबले में बनाए रखने के लिए तीन अंकों की रेड की। तीन बार के चैंपियन पाइरेट्स ने आखिरकार दिल्ली पर जोरदार हमला किया, जिससे उनका दबदबा और मजबूत हुआ और 15 मिनट के बाद उनकी बढ़त 12-8 के अंतर तक पहुंच गई।

हाफ-टाइम तक पाइरेट्स ने अपने विरोधियों पर सात अंकों की महत्वपूर्ण बढ़त बनाए रखी, जिससे संभावित निर्णायक जीत की स्थिति बन गई। हालांकि, अपने करिश्माई कप्तान से प्रेरित दिल्ली ने शानदार वापसी की। इसके डिफेंस ने भी महत्वपूर्ण योगदान देना शुरू कर दिया, जिससे पाइरेट्स की रेडिंग यूनिट पर भारी दबाव पड़ा। सीजन आठ की चैंपियन दिल्ली ने अपने ऑल-आउट के साथ अंतिम चरण की शुरूआत की, जिससे अंतर नाटकीय रूप से घटकर मात्र एक अंक रह गया। कीमती मिनट बचे होने पर स्कोर 27-27 पर था, जिससे गहन सस्पेंस का माहौल बन गया।

एक महत्वपूर्ण करो या मरो रेड में, अयान ने योगेश पर एक सफल टच किया, जिससे पाइरेट्स को मामूली बढ़त मिली। इसके बाद उन्होंने गति का लाभ उठाते हुए मैच के अंतिम रेड में दो महत्वपूर्ण अंक हासिल किए, जिससे उनकी टीम की जीत सुनिश्चित हो गई। दिल्ली के लिए आशु ने नौ अंक लेकर अहम योगदान दिया, जबकि मोहित ने सात अंक बनाकर प्रभावित किया।

व्यापार

वोडाफोन समूह ने वीआईएल के शेयरों के बदले जुटाए गए 11,650 करोड़ का कर्ज चुकाया

नई दिल्ली। एजेंसी

निजी क्षेत्र की दूरसंचार सेवा प्रदाता कंपनी वोडाफोन समूह ने वोडाफोन-आइडिया लिमिटेड (वीआईएल) के शेयरों के बदले जुटाए गए करीब 11,650 करोड़ रुपये (10.9 करोड़ पाउंड) का बकाया चुका दिया है। कंपनी ने शनिवार को नियामक फाइलिंग में शेयर बाजार को बताया कि वोडाफोन-आइडिया लिमिटेड के शेयरों के बदले जुटाए गए करीब 11,650 करोड़ रुपये (10.9 करोड़ पाउंड) का बकाया चुका दिया गया है। वोडाफोन समूह ने कर्ज जुटाने के लिए वीआईएल में लगभग पूरी हिस्सेदारी गिरवी रख दी थी।

ब्रिटेन स्थित वोडाफोन समूह ने कहा कि वोडाफोन के प्रवर्तकों के ऋणदाताओं को बकाया चुकाने के बाद ऋणदाताओं के लिए सुरक्षा ट्रस्टी के रूप में काम करने वाली एचएसबीसी कॉरपोरेट ट्रस्टी कंपनी (यूके) लिमिटेड ने 27 दिसंबर, 2024 को गिरवी शेयरों को जारी कर दिया है। मॉरिशस और भारत स्थित वोडाफोन समूह की संस्थाओं द्वारा जुटाए गए कर्ज के लिए एचएसबीसी कॉरपोरेट ट्रस्टी कंपनी (यूके) के पक्ष में शेयर गिरवी रखे थे। उल्लेखनीय है कि वोडाफोन समूह के पास वीआईएल कंपनी की 22.56 फीसदी हिस्सेदारी है, जबकि आदित्य बिड़ला समूह के पास 14.76 फीसदी और सरकार के पास 23.15 फीसदी हिस्सेदारी है।

सर्राफा बाजार में तेजी जारी, सोना और चांदी की बढ़ी चमक

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में लगातार तीसरे दिन तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। सोना 250 से 270 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। सोने के भाव में तेजी आने की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 78,150 रुपये से लेकर 78,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 71,650 रुपये से लेकर 71,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी 900 रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी आई है। इस तेजी के कारण दिल्ली सराफा बाजार में इसकी कीमत 92,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 78,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,650 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 78,000 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

डीजीसीए ने अकासा एयर के प्रशिक्षण और उड़ान संचालन निदेशकों को किया निलंबित

नई दिल्ली। एजेंसी

नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने पायलटों के प्रशिक्षण में कथित चूक के लिए अकासा एयर के संचालन निदेशक और प्रशिक्षण निदेशक को छह-छह महीने के लिए निलंबित कर दिया है। डीजीसीए ने अपने आदेश में एयरलाइन को दोनों पदों के लिए 'उपयुक्त' उम्मीदवारों को नामित करने की सलाह भी दी है। अकाशा एयर ने शनिवार को जारी एक बयान में कहा कि डीजीसीए ने शुक्रवार को पायलटों के प्रशिक्षण में कथित चूक के लिए उसके संचालन निदेशक और प्रशिक्षण निदेशक को 6-6 महीने के लिए निलंबित करने का आदेश दिया है। कंपनी ने जारी इस आदेश पर कहा कि वह डीजीसीए के साथ मिलकर काम करना जारी रखेगी और उसके अनुरूप अनुपालन करेगी। एयरलाइन ने कहा सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है, हम सुरक्षा के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयास करते हैं।

विमान नियामक डीजीसीए ने जारी अपने आदेश में कहा कि राकेश झुनझुनवाला परिवार की हिस्सेदारी वाली एयरलाइन के दो वरिष्ठ अधिकारी नागर विमानन से जुड़े हुए प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित करने में विफल रहे हैं। डीजीसीए ने निलंबन आदेश में कहा कि 7 अक्टूबर, 2024 को एसएनवी एविएशन प्राइवेट लिमिटेड (अकासा एयर), मुंबई में किए गए नियामकीय लेखा-परीक्षण में पाया गया है।

रिलायंस ने कार्किनोस हेल्थकेयर का 375 करोड़ में अधिग्रहण किया

नई दिल्ली। उद्योगपति मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की सहायक कंपनी ने प्रौद्योगिकी आधारित स्वास्थ्य देखभाल प्लेटफॉर्म कार्किनोस का 375 करोड़ रुपये में अधिग्रहण किया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने शनिवार को रेगुलेटरी फाइलिंग में दी जानकारी में बताया कि उसकी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी रिलायंस स्ट्रैटेजिक बिजनेस वेंचर्स (आरएसबीवीएल) ने जरूरी शेयरों के आवंटन के साथ कर्किनोस हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड का अधिग्रहण पूरा कर लिया है। कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंज को सूचित किया कि आरएसबीवीएल ने हेल्थकेयर प्लेटफॉर्म कार्किनोस को 375 करोड़ रुपये में खरीदा है। ऑन्कोलॉजी केंद्रित हेल्थकेयर प्लेटफॉर्म कार्किनोस को 24 जुलाई, 2020 को भारत में शामिल किया गया था। यह प्लेटफॉर्म कैंसर का शीघ्र पता लगाने, निदान और प्रबंधन के लिए प्रौद्योगिकी-संचालित अभिनव समाधान प्रदान करने के व्यवसाय में है।

देश में वित्त वर्ष 2023-24 में रिकॉर्ड कोयला उत्पादन

नई दिल्ली। एजेंसी

भारत ने वित्त वर्ष 2023-24 में 997.826 मिलियन टन का अपना अब तक का सर्वाधिक कोयला उत्पादन किया, जो वित्त वर्ष 2022-23 में 893.191 मिलियन टन कोयला उत्पादन की तुलना में 11.71 फीसदी की उल्लेखनीय वृद्धि को दशार्ता है। कोयला मंत्रालय ने शनिवार को एक्स पोस्ट में बताया कि 2024 में मंत्रालय ने एक परिवर्तनकारी वर्ष देखा है, जिसमें उत्पादन, स्थिरता और तकनीकी नवाचार में अभूतपूर्व उपलब्धियां दर्ज की गई हैं। प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में मंत्रालय भारत को विकसित भारत की ओर तेजी से आगे बढ़ा रहा है, ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत कर रहा है और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दे रहा है। मंत्रालय के मुताबिक एकीकृत कोयला रसद योजना के तहत केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2030 तक 1.5 बीटी कोयला के उत्पादन का लक्ष्य रखा है। कैलेंडर वर्ष 2024 (15 दिसंबर तक) के दौरान कोयला का उत्पादन अनंतिम 988.32 मिलियन टन तक पहुंच गया, जो साल-दर-साल 7.66 फीसदी की वृद्धि को दशार्ता है। कोयला मंत्रालय ने बताया कि कोयले की आपूर्ति में भी उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है, 15 दिसंबर, 2024 तक 963.11 मिलियन टन कोयले की अनंतिम आपूर्ति की गई है।

संक्षिप्त समाचार

खुले बोरवेल में बच्चों के गिरने की घटना को लेकर जिला प्रशासन सतर्क एवं संवेदनशील

- जिला कलक्टर के निर्देश पर एक दिन ही में 328 खुले बोरवेल को करवाया गया बंद

चमकता राजस्थान। जयपुर! (खलील कुरैशी)28 दिसम्बर। खुले बोरवेल में बच्चों के गिरने की घटना को लेकर जिला प्रशासन सतर्क एवं संवेदनशील है। रामधन की सुरक्षा सुनिश्चित करने एवं ऐसे हादसों को रोकने के लिए जिला कलक्टर डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी के निर्देश पर शनिवार को जिले के प्रशासनिक अधिकारियों ने मुहिम के तहत जिले में कुल 328 खुले बोरवेल को कर करवाया। जयपुर तहसील में 4 बोरवेल, आमेर तहसील में 15 बोरवेल, कालवाड़ तहसील में 2 बोरवेल, तूंगा तहसील में 50 बोरवेल, जमवारामगढ़ तहसील में 6 बोरवेल, माधोराजपुरा तहसील में 7 बोरवेल, बस्सी तहसील में 17 बोरवेल, चाकसू तहसील में 32 बोरवेल, आंधी तहसील में 15 बोरवेल, किशनगढ़- रेनवाल तहसील में 2, कोटखावदा तहसील में 5, सांभर तहसील में 31 बोरवेल, जोबनेर तहसील में 10 बोरवेल, रामपुरा डाबड़ी तहसील में 7, सांगानेर तहसील में 12 बोरवेल, शाहपुरा तहसील में 20 बोरवेल, चौमूंतहसीलमें20बोरवेल ,जालसू तहसील में 10 बोरवेल, दूदू तहसील में 27 बोरवेल, फागी तहसील में 14 बोरवेल और मोजमाबाद तहसील में 22 खुले बोरवेल बंद करवाए गए।गौरतलब है कि जिला कलेक्टर डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी ने जिले में बोरवेल खुदाई से 15 दिन पहले प्रशासन को सूचना देने के आदेश जारी किए थे। वहीं, जिला कलक्टर के निर्देश पर खुले बोरवेल को बंद करने के निर्देश पर जिले के उपखंड अधिकारियों पर तहसीलदार सेवा के अधिकारियों ने चिन्हित 328 खुले बोरवेल को लोहे के ढक्कन सहित अन्य उपायों से बंद करवाया।

झालावाड़ जिले में थाना भवानीमण्डी पुलिस को मिली बडी सफलता

- अंतरराज्यीय मोटर साईकिल चोर गिरोह का पर्दाफाश, दो आरोपी गिरफ्तार, चोरी की कुल 13 मोटर साईकिल बरामद
- नशे व मोज मस्ती के लिये रेकी कर करते थे मोटर साईकिल चोरी

चमकता राजस्थान। जयपुर /झालावाड़ !(खलील कुरैशी) 28 दिसम्बर। जिले की भवानी मंडी थाना पुलिस ने अंतर्राज्यीय मोटरसाइकिल चोर गिरोह का पर्दाफाश कर गिरोह के दो सदस्यों सद्दाम हुसैन पुत्र जाकिर हुसैन (28) निवासी रामद्वारा रोड थाना सुनेल एवं सत्यनारायण धाकड़ पुत्र कारू लाल (35) निवासी देवपुरा गली थाना सुनेल को गिरफ्तार कर चोरी की 13 मोटरसाइकिले बरामद की है एसपी ऋचा तोमर ने बताया कि आरोपी कोटा, रामगंजमण्डी, खेराबाद व सीमावर्ती राज्य मध्यप्रदेश क्षेत्र मे मोटर साईकिल चोरी की वारदात कर भवानी मंडी थाना क्षेत्र के आहू नदी के खाल में छुपा कर रखते। जहां चुराई गई 20-25 मोटर साईकिल इकट्ठी कर एक-एक मोटर साईकिल को बेच कर मौज-मस्ती व नशे का सेवन करते।एसपी तोमर ने बताया कि मध्य प्रदेश के मंदसौर निवासी पवन कुमार 10 दिसम्बर को अपने दोस्त की बाइक लेकर किसी काम से भवानीमण्डी आया था। शीला अस्पताल के सामने से अज्ञात चोर उसकी बाइक चोरी कर ले गया। सभी जगह तलाश करने के बाद 22 दिसंबर को परिवादी द्वारा घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। जिले में हो रही वाहन चोरी की वारदातों की रोकथाम एवं आरोपियों की धर पकड़ के लिए एसपी तोमर द्वारा एएसपी चिंरजी लाल मीणा व सीओ प्रेम कुमार के सुपरविजन मे विभिन्न टीमें गठित की गई। शुक्रवार को एसएचओ रमेश चंद मीणा मय टीम द्वारा बाण्डिया बाग रोड पर नाकाबन्दी में चोरी की उक्त बाइक के साथ आरोपी सद्दाम हुसैन व सत्यनारायण धाकड को गिरफ़्तार किया गया।आरोपियों से अनुसंधान के दौरान पुलिस ने इनकी सूचना पर अन्य स्थानो से चोरी की गई 12 मोटर साईकिल बरामद की गई। पूछताछ मे एक अन्य संदीप धाकड़ निवासी सुनेल का भी वारदात में साथ रहना बताया गया है। पुलिस संदीप के साथ वाहन चोरी करने वाले अन्य आरोपियो की तलास कर रही है।

जिला कलक्टर के नेतृत्व में सिविल डिफेंस ने ऑपरेशन को दिया अंजाम

चंदवाजी में पलटा केमिकल से भरा टैंकर, जिला प्रशासन की सतर्कता से टला बड़ा हादसा

जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने खुद की ऑपरेशन की मॉनिटरिंग

चमकता राजस्थान

जयपुर! (खलील कुरैशी) 28 दिसंबर 2024। जिला प्रशासन की सतर्कता और जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के नेतृत्व में सिविल डिफेंस के साहसिक स्वयं सेवकों ने शनिवार को जयपुर में एक बड़ा हादसा टालने में कामयाबी हासिल की।सिविल डिफेंस के उप नियंत्रक अमित कुमार शर्मा ने बताया कि शनिवार को दोपहर करीब 3 बजे कलक्ट्रेट स्थित कंट्रोल रूम से सूचना प्राप्त हुई कि सेवन माता का मंदिर पुलिस थाना क्षेत्र चंदवाजी मे मेथेनॉल से भरा केमिकल का टैंकर पलट गया है। सूचना मिलते ही जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर सिविल डिफेंस की टीम मौके के लिए रवाना हा गई। जिला कलक्टर एवं अध्यक्ष, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी के निर्देशों की पालना में उप नियंत्रक नागरिक सुरक्षा अमित शर्मा के नेतृत्व में सिविल डिफेंस की रेस्क्यू टीम ने मौके पर पहुंचकर और स्थानीय सिविल डिफेंस स्वयंसेवकों की मदद से पुलिस से समन्वय स्थापित करते हुए हाईवे के दोनों तरफ के यातायात को बंद करवाया।इसके बाद केमिकल के टैंकर को कार्डन ऑफ किया गया। जिला कलेक्टर महोदय द्वारा केमिकल टैंकर पर चस्पा प्लगकार्ड पर स्थित वठ नंबर 1230 कैटेगरी 3 का उल्लेख करते हुए उससे होने वाले खतरे के बारे में रेस्क्यू टीम एवं स्थानीय पुलिस को अवगत कराया और उसमें रखने वाली सावधानियां बरतने के निर्देश दिए एवं स्वयं मौके के लिए तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना हो गए।जिला कलेक्टर के निर्देशानुसार टैंकर को मौके पर उनकी मौजूदगी में फायर ब्रिगेड के फोम स्प्रे के साथ सीधा करवा कर सुरक्षित स्थान पर पार्किंग में खड़ा करवाया गया। चूंकि यह कैटिगरी 3 का फ्लेमेबल लिक्विड था इस स्थिति में स्पिलेज की अवस्था में इसमें वेपर्स बनने की संभावना रहती है जिससे कि यह है हानिकारक हो सकता था।लेकिन जिला प्रशासन की मुस्तैदी एवं सिविल डिफेंस के त्वरित एवं साहसिक रिस्पॉन्स के चलते एक बड़ा हादसा होने से पहले ही समय रहते स्थिति पर काबू पा लिया गया। स्थिति काबू में आने के पश्चात पूर्ण एहतियात बरतते हुए करीब साढ़े 5 बजे हाईवे पर यातायात सुचारू कर दिया गया।

रास्ता खोलो अभियान के तहत जिला प्रशासन ने 44 दिन में खुलवाए 274 रास्ते

बरसों पुराने रास्ते खुलवाए जाने पर ग्रामीणों ने जताया जिला प्रशासन का आभार

चमकता राजस्थान

जयपुर!(खलील कुरैशी) 28 दिसंबर। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर शुरू हुआ रास्ता खोलो अभियान ग्रामीणों के लिए राहत का दूसरा नाम बन गया है। अभियान के तहत जिला प्रशासन ने समझाइश एवं सहमति से महज 44 दिनों में गांवों, खेतों और ढाणियों के बरसों से बंद पड़े 274 रास्ते खुलवाने में कामयाबी हासिल की है।अतिरिक्त जिला कलक्टर एवं अभियान की नोडल अधिकारी सुमन पंवार ने बताया कि अभियान के तहत विगत एक सप्ताह में जयपुर एवं जयपुर ग्रामीण जिले के समस्त तहसीलों में बरसों से बंद 25 रास्ते खुलवाए गए।उन्होंने बताया कि जयपुर तहसील में 4 रास्ते, कालवाड़ तहसील में 8 रास्ते, आमेर तहसील में 21 रास्ते, जमवारामगढ़ तहसील में 11 रास्ते, आंधी तहसील में 21 रास्ते, बस्सी तहसील में 13 रास्ते, तूंगा तहसील में 9 रास्ते खुलवाए गए।वहीं, शाहपुरा तहसील में 19 रास्ते, जोबनेर तहसील में 22 रास्ते, किशनगढ़–रेनवाल तहसील में 18 रास्ते, फुलेरा तहसील में 18 रास्ते, रामपुरा–डाबड़ी तहसील में 12 रास्ते, जालसू तहसील में 12 रास्ते, चौमूं तहसील में 24 रास्ते, सांगानेर तहसील में 14 रास्ते खुलवाए गए। सुमन पंवार ने बताया कि चाकसू तहसील में 15 रास्ते, कोटखावदा तहसील में 13 रास्ते एवं माधोराजपुरा तहसील में 20 रास्ते खुलवाए गए। उन्होंने बताया कि जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अधिकारियों को रास्ता खोलो अभियान के तहत बंद रास्ते खुलवाए जाने के पश्चात खोले गए रास्तों पर ग्रेवेल, सी.सी. रोड़ बनवाये जाने की कार्यवाही भी जल्द से जल्द अमल में लाने के निर्देश दिये हैं, इन निर्देशों की अनुपालना में अधिकांश स्थानों पर ग्रेवल रोड बनाने की कार्यवाही भी आरंभ की जा चुकी है। वहीं, जिन रास्तों के वाद न्यायालय में विचाराधीन है परिवादियों द्वारा संबंधित न्यायालय से ही अनुतोष प्राप्त किया जाएगा।ग्रामीण क्षेत्रों में रास्तों की भूमि पर अतिक्रमण को लेकर जनसुनवाई के दौरान बड़ी संख्या में परिवाद प्राप्त होते हैं। रास्तों को लेकर न्यायालय में भी वाद दायर किए जाते रहते हैं। ऐसे प्रकरणों में निरन्तर बढ़ोतरी होने से आमजन को न्यायालय के चक्कर लगाने एवं जन-धन की हानि होने के साथ-साथ क्षेत्र की कानून व्यवस्था भी प्रभावित होती है। इसलिए प्रशासन ने रास्ते सम्बन्धी समस्याओं के निराकरण के लिए 'रास्ता खोलो अभियान' चलाने का निर्णय लिया गया।

केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने जन समस्याओं के समाधान को लेकर किया संवाद

पिछली जनसुनवाई में सांवतसर क्षेत्र के लोगों की समस्या का समाधान होने पर केंद्रीय मंत्री चौधरी का आभार व्यक्त करते हुए किया स्वागत अभिनंदन

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री एवं अजमेर सांसद भागीरथ चौधरी ने शनिवार को किशनगढ़ स्थित आवास एवं कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई के दौरान आमजन व कार्यकर्ताओं से आत्मीय मुलाकात कर उनकी समस्याओं को सुना। उन्होंने जनसुनवाई के दौरान प्रस्तुत समस्याओं के समाधान को लेकर संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर आवश्यक निर्देश जारी किए।जनसुनवाई के दौरान मंत्री महोदय ने सांवतसर क्षेत्र के नागरिकों द्वारा पिछली जनसुनवाई में प्रस्तुत मांगों पर की गई प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि संबंधित कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूर्ण किया गया है। इस उपलब्धि पर सांवतसर क्षेत्र के नागरिकों ने किशनगढ़ आवास व कार्यालय पहुंचकर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की और केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी का स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में क्षेत्र के कार्यकर्ता और आमजन उपस्थित रहे।

डबल इंजन सरकार का सकारात्मक प्रभाव : इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश सरकार डबल इंजन की ताकत के साथ विकास कार्यों को गति प्रदान कर रही है। आमजन की समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करना और क्षेत्र को प्रगति के पथ पर अग्रसर करना हमारी प्राथमिकता है। भागीरथ चौधरी ने कहा कि केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार द्वारा जनहितकारी योजनाओं और विकास कार्यक्रमों के माध्यम से समाज के हर वर्ग को लाभान्वित किया जा रहा है।

- **जनहित के प्रति सतत प्रयास :**

केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी ने क्षेत्रवासियों को आश्वासन दिया कि किशनगढ़ और अजमेर लोकसभा क्षेत्र के विकास में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी। आपका विश्वास और सहयोग ही हमारी ताकत है। यह हमको सेवा के प्रति और अधिक समर्पित रहने की प्रेरणा देता है।

जेडीए ने मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन आदर्श चौधरी के कुशल निर्देशन एवं प्रबंधन ने करी प्रभावी कार्रवाई

चमकता राजस्थान

- जोन- PRN(S) ग्राम बदरवास में जेडीए स्वामित्व की सरकारी भूमि को करवाया कब्जा-अतिक्रमण मुक्त।
- जोन-12 कालवाड रोड पर ग्राम शरावतपुरा में जेडीए स्वामित्व के गैर मुमकिन सरकारी आम रास्ते को करवाया कब्जा-अतिक्रमण मुक्त

जयपुर (खलील कुरैशी) आदर्श चौधरी मुख्य नियंत्रक जोन- PRN (र) ग्राम बदरवास में जेडीए स्वामित्व की सरकारी भूमि को करवाया कब्जा-अतिक्रमण मुक्त।प्रवर्तन, जविप्रा, जयपुर ने बताया कि प्रवर्तन शाखा द्वारा आज दिनांकः 28.12.2024 को प्रवर्तन संबंधी निम्नांकित कार्यवाहियां सम्पादित की गईः(1). प्रवर्तन प्रकोष्ठ द्वारा दिनांकः 28.12.2024 को जोन- पी.आर.एन. (साउथ) के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम ग्राम बदरवास गोपालपुरा बाईपास खसरा न. 57 जेडीए स्वामित्व की करीब1200वर्गस रकारीभूमिपरकब्जा-अतिक्रमण कर टीन शैड लगाकर अस्थाई स्ट्रक्चर बनाकर किए गए कब्जे-अतिक्रमण को आज जोन- पी. आर. एन. (साउथ) के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मषीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर सरकारी भूमि को कब्जा-अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। जोन-12 कालवाड रोड पर ग्राम शरावतपुरा में जेडीए स्वामित्व के गैर मुमकिन सरकारी आम रास्ते को करवाया कब्जा-अतिक्रमण मुक्त।2. प्रवर्तन प्रकोष्ठ द्वारा दिनांकः 28.12.2024 को जोन-12 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित कालवाड रोड ग्राम षरावतपुरा तहसील जालसू जिला जयपुर में खसरा नम्बर 693 व 859 मे जेडीए स्वामित्व के सरकारी गैर मुमकिन सरकारी आम रास्ते पर कब्जा-अतिक्रमण कर मिट्टी डॉल बनाकर, तारबंदी कर रास्ता अवरूध किया गया था जिससे स्थानीय लोगो व आमजन को रास्ते को लेकर भारी समस्या का सामना करना पड रहा था। जिसकी सूचना प्राप्त होते ही आज जोन-12 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मषीन व मजदूरों की सहायता से हटवाया जाकर गैर मुमकिन सरकारी आम रास्ते को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया।उक्त कार्यवाहियां मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन आदर्श चौधरी के पर्यवेक्षण में उपनियंत्रक प्रवर्तन प्रथम, तृतीय प्रवर्तन अधिकारी जोन पी. आर. एन. (साउथ), 12 तथा प्राधिकरण में उपलब्ध जाप्ते, लेबर गार्ड एवं जोन में पदस्थापित राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा सम्पादित की गई प्रवर्तन प्रकोष्ठ जविप्रा द्वारा माह अक्टूबर वर्ष 2024 से आज तक कुल 319 बीघा सरकारी भूमि एवं 09 गैर मुमकिन सरकारी आम रास्तों को अतिक्रमण मुक्त कारवाया जा चुका है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929